

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित



डाक पंजीयन क्र. 173/15-17

5 अजिंक्य रहणे पर 12 लाख का जर्माना

सम्पादकीय बातचीत क्यों हुई नाकाम?

भारत की इकोनॉमी में गिरावट, 6वें नंबर पर आया...

5

वर्ष 13 अंक 01 E-mail: dholpur@hotmail.com

फरीदाबाद, गुरुवार 16 अप्रैल 2026

ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें - www.hindustanexpress.online

मूल्य 2.00 रुपये, पृष्ठ 8

## पीएम मोदी ने की लोगों से 9 संकल्प लेने की अपील

### कर्नाटक में वोक्कालिगा समुदाय के मंदिर का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। पीएम मोदी बुधवार को कर्नाटक में लोगों से 9 संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा, मेरी अपील जल संरक्षण और बेहतर जल प्रबंधन को लेकर है। इसके बाद उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण, सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों की स्वच्छता पर जोर दिया।



उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' के जरिए स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने, रसायन-मुक्त प्राकृतिक खेती अपनाने, मोटे अनाज (मिलेट्स) के साथ स्वस्थ भोजन को बढ़ावा देने और तेल के कम उपयोग की अपील भी की। पीएम मांड्या जिले के श्री क्षेत्र आदिचुंचनगिरि मठ पहुंचे थे। यहाँ उन्होंने गुरु भैरवैक्य मंदिर का उद्घाटन किया। सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्र नामक किताब का विमोचन भी किया। इस मौके पर पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा भी मौजूद थे। यह वोक्कालिगा समुदाय से जुड़ा है। श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर, पूज्य संत डॉ. बालगंगाधरनाथ महास्वामीजी की स्मृति में बनाया गया है। वे आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ के 71वें पीठाधीश्वर थे। मंदिर को पारंपरिक द्रविड़ शैली में बनाया गया है और इसे उनके जीवन और विरासत को समर्पित स्मारक के रूप में तैयार किया गया है। डॉ. बालगंगाधरनाथ महास्वामीजी सामाजिक सेवा से जुड़े रहे। उन्होंने कई शैक्षणिक संस्थान और स्वास्थ्य सुविधाएँ स्थापित कीं। उनका मानना था कि समाज की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है।

पीएम मोदी ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का भी उद्घाटन किया था। 12 हजार करोड़ रूपए की इस परियोजना से दिल्ली से देहरादून की यात्रा का समय छह घंटे से घटकर करीब ढाई घंटे रह गया है। 213 किलोमीटर लंबा यह छह लेन एक्सप्रेस-कांट्रोल्ड एक्सप्रेसवे दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से होकर गुजरता है। इसकी खास बात 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड वाइडलाइफ सेक्शन है, जिसे एशिया के सबसे लंबे सेक्शनों में एक बनाया जा रहा है।

## उत्कृष्ट गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से रोशन हो रहा प्रदेश का भविष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

### कक्षा 12वीं में भोपाल की कु. खुशी राय और कु. चांदनी विश्वकर्मा ने किया संयुक्त रूप से टॉप मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दी बधाई, अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को मिलेगा दूसरा अवसर



खुशी राय कॉमर्स टॉपर, तन्वी कुमावत बायो टॉपर, चांदनी कॉमर्स टॉपर



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बोर्ड परीक्षा हम सभी के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होती है। बोर्ड परीक्षा के परिणाम ही हमारे भविष्य की दिशा तय करते हैं। मध्यप्रदेश में दी जा रही उत्कृष्ट शिक्षा से हमारे विद्यार्थियों का भविष्य दिनों दिन रोशन हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को संवाद भवन (मुख्यमंत्री निवास) में माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल द्वारा ली गई कक्षा 10वीं, 12वीं एवं विद्यालय पूर्व शिक्षा में डिप्लोमा (डीपीएसई) मुख्य परीक्षा-2026 के परिणाम घोषित किए। वर्ष 2026 में कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 73.42 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम 76.01 प्रतिशत रहा। शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने इस बार अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम इस बार बीते 16 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ रहा है। पिछले वर्ष भी शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने ही

बोर्ड परीक्षा में कीर्तिमान गढ़ा था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने शासकीय विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर किया है, जिससे हमारे शासकीय स्कूल 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में निजी स्कूलों के परिणामों से आगे निकल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फरवरी से मार्च के बीच कक्षा 10वीं की परीक्षा हुई, जिसमें 8 लाख 97 हजार विद्यार्थी शामिल हुए। हाईस्कूल परीक्षा में 73.42 प्रतिशत विद्यार्थियों को सफलता मिली है। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले 69.31 प्रतिशत छात्र और 77.52 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं। शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम 76.80 प्रतिशत और प्राइवेट स्कूलों का 68.84 प्रतिशत रहा है। हाईस्कूल की मेरिट में 378 विद्यार्थियों ने अपना स्थान बनाया है, जिसमें 235 छात्राएं और 143 छात्र हैं। प्राइवेट स्कूलों में भी हमारी बेटियों ने ही बेटों से अधिक अंक हासिल किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने कहा कि जनजातीय जिले अनुपपुर के 93.85 प्रतिशत विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में सफलता मिली है। अनुपपुर जिला सबसे आगे रहा है। अलीराजपुर जिला 92.14 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा है। हाईस्कूल परीक्षा में पन्ना जिले के सरस्वती ज्ञान मंदिर हाई स्कूल, गुनौर की छात्रा कु. प्रतिभा सिंह सोलंकी ने प्रथम स्थान हासिल किया है। इन्हें कुल 500 परीक्षकों में से 499 अंक मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभा के रूप में पन्ना जिले से एक और हीरा निकला है। मुख्यमंत्री ने कु. प्रतिभा को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि हायर सेकेंड्री में कक्षा 12वीं के बीच कु. खुशी राय और कु. चांदनी ने 6 लाख 89 हजार 746 विद्यार्थी शामिल हुए। इस वर्ष 12वीं का परीक्षा परिणाम 76.01 प्रतिशत रहा है, जो बीते 16 साल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस वर्ष 72.39 प्रतिशत छात्र और 79.41 छात्राओं

को सफलता मिली है। यहां भी बेटियों ने ही फिर बाजी मारी है। शासकीय स्कूलों का परीक्षा परिणाम निजी स्कूलों से बेहतर रहा है। हायर सेकेंड्री बोर्ड परीक्षा में शासकीय स्कूलों के 80.43 प्रतिशत और प्राइवेट स्कूलों के 69.67 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं। इससे शासकीय और प्राइवेट स्कूल की पढ़ाई का अंतर साफ नजर आ रहा है। इस वर्ष हायर सेकेंड्री परीक्षा में 221 विद्यार्थियों ने जगह बनाई है। इसमें 158 छात्राएं और 63 छात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कक्षा 12वीं बोर्ड में शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल की वाणिज्य संकाय की छात्रा कु. खुशी राय एवं अशासकीय गुरुदेव शिक्षा केन्द्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नीलबड़, भोपाल की छात्रा कुमारी चांदनी विश्वकर्मा ने कुल 500 अंकों में से 494 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से टॉप किया है।

## भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बातचीत फिर शुरू होगी

### भारतीय डेलिगेशन अगले हफ्ते वॉशिंगटन रवाना होगा

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच रूकी अंतरिम ट्रेड डील पर बातचीत फिर शुरू होगी। केंद्र सरकार का हाई-लेवल डेलिगेशन अगले हफ्ते वॉशिंगटन जाएगा। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका में टैरिफ नियमों और अदालती फैसलों से व्यापारिक समीकरण बदल गए हैं। पीटीआई के अनुसार, बुधवार को सरकारी सूत्रों ने डेलिगेशन की यात्रा की पुष्टि की। पहले मार्च में समझौते पर हस्ताक्षर की उम्मीद थी, लेकिन डेनोल्ड ट्रम्प शासन के टैरिफ और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने स्थिति कठिन बना दी है।



दोनों देशों ने फरवरी में समझौते के पहले चरण की रूपरेखा तैयार की थी। इस फ्रेमवर्क में अमेरिका भारतीय सामानों पर टैरिफ 18% करने पर सहमत हुआ था। लेकिन इसके बाद अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के कुछ

पुराने टैरिफ नियम रद्द कर दिए। फैसले के बाद अमेरिकी प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों के आयात पर 10% टैरिफ लागू किया है। स्पष्टता की कमी से पिछले महीने की बैठक टाल दी गई थी। फरवरी में प्रेसवर्क बनने पर भारत को अन्य देशों से बेहतर स्थिति मिल रही थी। ऊंचे टैरिफ के बीच 18% की दर भारत के लिए फायदेमंद थी। लेकिन अब अमेरिका ने सभी देशों पर 10% फ्लैट टैरिफ लागू किया है। इससे भारत का खास फायदा कम हुआ है, क्योंकि सभी को समान दर मिल रही है।

## गृह समेत 29 विभाग संभालेंगे पटना के नये सीएम सम्राट चौधरी

### मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद सम्राट ने छह नीतीश के पार

पटना। सम्राट चौधरी बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी छ्त्रु बनाया गया है। नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है। सम्राट चौधरी के पास गृह समेत 29 विभाग रहेंगे। विजय चौधरी को 10 और बिजेंद्र यादव को 8 विभाग



यही विभाग बाकी मंत्रियों में बंटेंगे। तब तक तीनों मंत्री ही इनकी जिम्मेदारी संभालेंगे। मुख्यमंत्री के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, 'कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने

लेकिन सफलता नहीं मिली। आज अमित शाह, नरेंद्र मोदी और नीतीश की कृपा से सम्राट आगे बढ़ गया। मेहनत रंग लाती है जो मेहनत करेगा वही आगे बढ़ेगा।'

## पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा छीनी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी और उसके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच का विवाद और बढ़ गया है। पंजाब की सीएम भगवंत मान की अगुआई वाली आप सरकार ने राघव चड्ढा की सिक्योरिटी छीन ली है। पंजाब के सहप्रभारी, सांसद और राज्यसभा में उपनेता होने के नाते राघव चड्ढा को पंजाब पुलिस की सिक्योरिटी मिली थी।

## इन्द्रियाँ वस्तुओं को केवल ग्रहण नहीं करती; वे उनमें सत्यत्व, प्रियत्व और आत्मीयता का आरोप भी कर देती हैं: स्वामी श्री अवधेशानंद जी

### -हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परित्राजकार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी

महाराज ने कहा कि - सर्व ब्रह्मेति विज्ञानादिन्द्रियग्रामसंयमः। यमोऽयमिति संप्रोक्तोऽभ्यसनीयः मुहुर्मुहुः॥ स्वामी जी ने कहा कि - यह श्लोक अद्वैतवेदान्त की साधना-पद्धति में एक अत्यंत सूक्ष्म और क्रान्तिदर्शी परिवर्तन का उद्घोष करता है। सामान्यतः यम का अर्थ नैतिक संयम, वासनानिग्रह, अथवा इन्द्रियों पर अनुशासन के रूप में ग्रहण किया जाता है; किन्तु भगवत्पादाचार्य यहाँ यम को उसकी बाह्य मर्यादा से उठकर ब्रह्मविद्या के आलोक में प्रतिष्ठित करते हैं। वे कहते हैं कि जब साधक 'सर्व ब्रह्म' इस विज्ञान में स्थित होकर इन्द्रियसमूह का संयम करता है, तभी वह 'यम' कहलाता है। यह यम न केवल नैतिक अनुशासन है, बल्कि दर्शन, साधना और अनुभूति तीनों का समन्वित रूप है।



केवल ग्रहण नहीं करती; वे उनमें सत्यत्व, प्रियत्व और आत्मीयता का आरोप भी कर देती हैं। परिणामस्वरूप मनुष्य विषयों का भोक्ता बनकर राग-द्वेष के चक्र में फँस जाता है। किन्तु जब साधक 'सर्व ब्रह्म' के विज्ञान में दीक्षित होता है, तब उसकी दृष्टि में एक मौलिक परिवर्तन घटित होता है। अब इन्द्रियाँ विषयों की ओर वैसे नहीं दौड़तीं जैसे अभावग्रस्त जीव किसी पराई वस्तु की ओर भागत है; क्योंकि अब वह जानता है कि जो कुछ भी दृश्य है, वह मुझसे पृथक् कोई स्वतन्त्र सत्ता नहीं, उसी ब्रह्म का नामरूपात्मक आविर्भाव है। ऐसी दशा में विषय-लालसा की तीव्रता स्वतः मन्द पड़ती है। इन्द्रियसंयम तब दमन का प्रयोग नहीं रहता, बल्कि सत्यदर्शन का स्वाभाविक फल बन जाता है। जिसको सबमें ब्रह्म दिखाई देता है, उसकी इन्द्रियाँ विषयों पर लोभपूर्वक नहीं टूटतीं; वे संयत हो जाती हैं, क्योंकि उनके लिए बाह्य भेद की तीव्रता गलतने लगती है। यही कारण है कि भगवत्पादाचार्य इस संयम को 'यमः अयम' यही यम है - ऐसा कहते हैं। यह अत्यंत महत्वपूर्ण बात है। यहाँ यम किसी संकीर्ण व्यवहारतः स्वीकार्य है, परमार्थतः ब्रह्मातिरिक्त कुछ नहीं। इस प्रकार 'सर्व ब्रह्म' की दृष्टि वस्तुओं का स्थूल अनुमोदन नहीं, बल्कि उनकी अधिष्ठान-निष्ठ व्याख्या है। स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - इसी विज्ञान से उत्पन्न होता है - 'इन्द्रियग्रामसंयमः'। 'इन्द्रियग्राम' अर्थात् समस्त इन्द्रियसमूह श्रवण, दर्शन, स्पर्शन, रसन, घ्राण, तथा उनसे सम्बद्ध मन

Repression है, दूसरा Sublimation; पहला - दबाव है, दूसरा - उत्कर्ष; पहला - संघर्ष है, दूसरा - सहज प्रसाद। स्वामी जी ने कहा कि - इस श्लोक का रहस्य यह है कि यम यहाँ नकारात्मक नहीं, सकारात्मक सत्ता में प्रतिष्ठित है। साधक विषयों से इसलिये नहीं हटता कि जगत् घुगित है, बल्कि इसलिए कि वह जगत् को अधिष्ठान-ब्रह्म से अभिन्न जानता है। वह विषयों को अस्वीकार नहीं करता, किन्तु उनमें लिप्त होकर अपनी आत्मस्वरूपा को विस्मृत भी नहीं करता। यह वैराग्य शुष्क नहीं, ज्ञानमय है; यह संयम कठोर नहीं, प्रसन्न है; यह निषेध भयजन्य नहीं, सत्यजन्य है। स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - 'अभ्यसनीयः मुहुर्मुहुः' श्लोक का यह अन्तिम पद साधना का व्यावहारिक हृदय है। मुहुर्मुहुः अर्थात् बार-बार, पुनः-पुनः, निरन्तर, सजगता के साथ। इसका अर्थ यह है कि 'सर्व ब्रह्म' की दृष्टि एक बार सुन लेने से स्थिर नहीं हो जाती। जन्म-जन्मान्तर से चित्त ने भेद, विषय, देह, सुख-दुःख, प्रिय-अप्रिय, मेरा-तेरा इन दृष्टों में ही अपना संसार रचा है। अतः ब्रह्मदृष्टि का अभ्यास भी पुनः-पुनः करना होगा। प्रत्येक दृश्य में अधिष्ठान को देखना होगा; प्रत्येक आकर्षण में मिथ्यात्व का स्मरण करना होगा; प्रत्येक अनुभव में साक्षि-चैतन्य को पटनचानना होगा। यही 'अभ्यास' है। स्वामी जी ने कहा कि - यहाँ 'अभ्यसनीय' पद यह भी संकेत देता है कि ज्ञान और साधना अद्वैत में पृथक्-पृथक् खेमें में नहीं हैं। ब्रह्मज्ञान केवल चिन्तन का विषय नहीं; वही अभ्यास का भी विषय है अर्थात् बारम्बार उसी दृष्टि में मन को स्थिर करना। जब नेत्र जगत् को देखते हैं, तब भीतर यह सजगता बनी रहे कि दृश्य का सत्य केवल ब्रह्म है; जब मन किसी विषय में आकर्षित होता है, तब तत्क्षण स्मरण हो कि प्रियत्व आत्मा से ही है; जब द्वेष उठे, तब ज्ञात हो कि भिन्नता मिथ्या है। इस प्रकार मुहुर्मुहुः का अभ्यास धीरे-धीरे इन्द्रियग्राम को शांत, पवित्र और ब्रह्माभिमुख बना देता है। स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - शाङ्करवेदान्त की दृष्टि से यह श्लोक साधना और सिद्धान्त की अद्भुत एकता का उदाहरण है। यहाँ यम केवल व्यवहार का नियम नहीं, ब्रह्मदृष्टि की प्रारम्भिक पुष्प-गन्ध है। जब तक साधक 'मै' और 'जगत्' को परस्पर प्रतिद्वन्द्वी, पृथक् और वस्तुतः भिन्न मानता रहेगा, तब तक इन्द्रियसंयम उसके लिए कठिन रहेगा; क्योंकि विषयों में उसे कुछ-न-कुछ आकर्षक, स्वतन्त्र और वाञ्छनीय प्रतीत होगा। परन्तु जब सब ब्रह्ममय दिखाई देने लगे, तब विषय में भी वही अधिष्ठान, आत्मा में भी वही अधिष्ठान ऐसी एकरस सत्ता का बोध इन्द्रियों को सहज संयत कर देता है।

## अब सप्ताह में दो दिन चलेगी गुना से मेमू ट्रेन

## केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने जताया आभार

### नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की सिफारिश

दौड़ गयी है। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा है कि इस सौगात से क्षेत्र के

जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी



पर गुना-रथियन मेमू ट्रेन (61662) को सप्ताह में एक दिन के बजाय दो दिन चलाने की मंजूरी केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दे दी है। जिससे गुनावसियों में हर्ष की लहर

यात्रियों के लिए परिवहन सुविधा मजबूत होगी। श्री सिंधिया ने इस उपहार के लिए केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

सामने आई है। ज्योतिरादित्य सिंधिया की सिफारिश पर भारतीय रेल द्वारा गुना-रथियाई मेमू ट्रेन (61611/61612) की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने को मंजूरी दे दी गई है। अब यह

ट्रेन पहले की तुलना में अधिक दिनों तक संचालित होगी, जिससे यात्रियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। जारी आदेश के अनुसार, पहले यह मेमू ट्रेन सीमित दिनों में संचालित होती थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर अधिक नियमित किया जा रहा है। इससे गुना, रथियाई और बीच के सभी स्टेशनों के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए क्षेत्रीय नागरिकों ने अश्विनी वैष्णव, माननीय केन्द्रीय रेल मंत्री का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। साथ ही रेल मंत्रालय द्वारा उठाए गए इस कदम को क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर बताया जा रहा है। नई व्यवस्था लागू होने से न केवल दैनिक यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि कदम को क्षेत्र के विकास के लिए आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। स्थानीय नागरिकों ने इस फैसले को 'जनहित में बड़ा उपहार' बताया है। केंद्र सरकार और जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

## पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की संस्थापिका एवं प्रेरणास्रोत स्व. श्रीमती शांति मिश्रा जी की नवम पुण्यतिथि पर उतैली में स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न: सीलम सैनी

डॉ. राकेश मिश्र जी सतना में सेवा का पर्याय बन चुके हैं : स्पीकर राजेश चतुर्वेदी पालन सेवा कार्यों में मेरी जहां भी आवश्यकता हो, हमेशा सेवा न्यास के लिए तत्पर हूं: श्रीमती सुनीता कुशवाहा (पार्षद) 72 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, 68 को दी गई मुफ्त में दवाइयां: प्रभा पांडेय



**—हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज—**  
सतना। पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की संस्थापिका एवं प्रेरणास्रोत स्व. श्रीमती शांति मिश्रा जी की नवम पुण्यतिथि पर उतैली में बुधवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम परिषद अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी पालन, विशिष्ट अतिथि वार्ड पार्षद श्रीमती सुनीता कुशवाहा व भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री श्रीमती प्रभा पांडे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा न्यास की महिला प्रमुख सीलम सैनी ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य शिविर का आयोजन करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम परिषद अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी पालन, विशिष्ट अतिथि वार्ड पार्षद श्रीमती सुनीता कुशवाहा व भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री श्रीमती प्रभा पांडे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा न्यास की महिला प्रमुख सीलम सैनी ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य शिविर का आयोजन करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम परिषद अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी पालन, विशिष्ट अतिथि वार्ड पार्षद श्रीमती सुनीता कुशवाहा व भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री श्रीमती प्रभा पांडे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा न्यास की महिला प्रमुख सीलम सैनी ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य शिविर का आयोजन करना है।

मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। यह शिविर चलता- फिरता मुफ्त वास्तविक जरूरतमंदों को लाभ मिल रहा है। अब तक हजारों परिवार लाभान्वित हो चुके हैं और यह क्रम निरंतर जारी है।  
**सेवा कार्यों में मेरी जहां भी आवश्यकता हो, हमेशा सेवा न्यास के लिए तत्पर हूं: श्रीमती सुनीता कुशवाहा (पार्षद)**  
श्रीमती सुनीता कुशवाहा जी ने कहा कि सेवा कार्यों में मेरी जहां भी आवश्यकता हो, हमेशा सेवा न्यास के लिए तत्पर हूं। मैं पूरी सेवा न्यास टीम को बहुत-बहुत साधुवाद देती हूँ कि उनके द्वारा हमारी माता बहिनें लाभान्वित हो रही हैं।

चलता फिरता मुफ्त अस्पताल से सेवा बरिस्तियों में निवास करने वाले वास्तविक जरूरतमंदों को लाभ मिल रहा है। अब तक हजारों परिवार लाभान्वित हो चुके हैं और यह क्रम निरंतर जारी है।  
**सेवा कार्यों में मेरी जहां भी आवश्यकता हो, हमेशा सेवा न्यास के लिए तत्पर हूं: श्रीमती सुनीता कुशवाहा (पार्षद)**  
श्रीमती सुनीता कुशवाहा जी ने कहा कि सेवा कार्यों में मेरी जहां भी आवश्यकता हो, हमेशा सेवा न्यास के लिए तत्पर हूं। मैं पूरी सेवा न्यास टीम को बहुत-बहुत साधुवाद देती हूँ कि उनके द्वारा हमारी माता बहिनें लाभान्वित हो रही हैं।

**72 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण 68 को दी गई मुफ्त में दवाइयां: प्रभा पांडेय**  
श्रीमती प्रभा पांडेय जी महामंत्री ने बताया है कि 72 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत 68 मरीजों को मुफ्त में दवाइयां दी गई। सेवा न्यास की महिला प्रमुख श्रीमती सीलम सैनी ने जानकारी दी कि शिविर में महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर लगभग प्रकार की स्वास्थ्य जांच कराई। अधिकतर महिलाओं में बीपी और शुगर की समस्या पाई गई। साथ ही मौसमी बीमारियों जैसे बुखार, सर्दी-जुकाम एवं खांसी की दवाइयां नि:शुल्क वितरित की गई। उपस्थित लोगों को लू से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन सेवा न्यास के मीडिया प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू ने किया।  
**इनकी रही उपस्थिति**  
आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर निगम स्पीकर राजेश चतुर्वेदी पालन, वार्ड पार्षद श्रीमती सुनीता कुशवाहा, प्रभा पांडे, सीलम सैनी, वंदना बागरी, रश्मि सैनी, अनिल कुमार सैनी, विजय सिंह पटेल, राजेंद्र कुशवाहा, कैलाश पयसी, योगेंद्र सिंह जय सूर्य सिंह, चंद्र देव द्विवेदी, श्री राम त्रिपाठी, राजू गुप्ता, दीपक गुप्ता हेमराज सेन, सेवा न्यास के मीडिया प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू एवं सेवा न्यास कार्यकर्ता वार्ड 22 के समस्त निवासी समाजसेवी उपस्थित रहे।

## महिला आरक्षण पर अजय सिंह ने सोनिया गांधी का समर्थन किया

चुनावों में राजनीतिक लाभ लेने के लिए भाजपा कर रही है प्रपंच

—हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज—

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह ने महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर श्रीमती सोनिया गांधी के रुख का पुरजोर समर्थन करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया है। अजय सिंह ने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी जी ने अपने आलेख के माध्यम से जो तथ्य देश के सामने रखे हैं, वे भाजपा के उस 'पाखंड' को बेनकाब करते हैं जिसे 'ऐतिहासिक' बताकर प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे सोनिया जी की इस मांग के साथ मजबूती से खड़े हैं कि महिलाओं को उनके हक के लिए दशकों तक इंतजार करवाना उनके साथ क्रूर मजाक है। सिंह ने याद दिलाया कि महिला आरक्षण के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता का ही परिणाम था कि साल 2010 में कांग्रेस नीत यूपीए सरकार ने इसे राज्यसभा से पारित करवा लिया था। सोनिया जी के नेतृत्व में लिए गए उस ऐतिहासिक निर्णय को भाजपा ने तब भी रोका था और आज भी वह इसे जनगणना और परिसीमन जैसी जटिल शर्तों की आड़ में भविष्य की अनिश्चित तारियों पर टाल रही है। भाजपा की नीयत में खोटे साफ है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने सोनिया गांधी जी द्वारा उठाए गए क्षेत्रीय अस्तुत्यन के मुद्दे को भी गंभीरता से रेखांकित किया। उन्होंने आगाह किया कि आरक्षण को परिसीमन से जोड़ना दक्षिण भारतीय राज्यों के खिलाफ एक गहरी राजनैतिक साजिश है। चूंकि दक्षिण भारत में सदैव भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति को सिरे से खारिज किया है, इसलिए उन राज्यों को राजनैतिक रूप से कमजोर करने के लिए यह प्रपंच रचा जा रहा है।

अजय सिंह ने आगाह किया कि आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर भाजपा देश में एक खतरनाक उतर-दक्षिण विभाजन और क्षेत्रीय अस्तुत्यन पैदा करने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि यह उन दक्षिण भारतीय राज्यों के खिलाफ सजा है, जिन्होंने राष्ट्रहित में जनसंख्या निर्वणण का उत्कृष्ट कार्य किया है। चूंकि दक्षिण के राज्यों ने सदैव भाजपा की विभाजनकारी राजनीति को नकारा है, इसीलिए



परिसीमन के बहाने उन्हें राजनैतिक रूप से कमजोर करने का खेल खेला जा रहा है। महिला आरक्षण जैसे पवित्र विषय को इस विवादित प्रक्रिया की बेट्टियों में जकड़ना यह साबित करता है कि भाजपा की रूचि महिलाओं के उत्थान में नहीं, बल्कि अपने राजनैतिक नफे-नुकसान का गणित बैठाने में ज्यादा है।

अजय सिंह ने कहा कि भाजपा विभिन्न राज्यों में हो रहे चुनावों में राजनीतिक लाभ उठाने के लिए इतनी जल्दबाजी दिखा रही है। यदि प्रधानमंत्री की नीयत साफ होती, तो वे सोनिया गांधी जी की मांग को स्वीकार करते हुए तमाम अंतहीन तकनीकी शर्तों को हटाकर महिलाओं की समावेशी भागीदारी को तत्काल प्रभाव से लागू करते। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा ने अपनी संकीर्ण मानसिकता नहीं बदली, तो देश की आधी आबादी इस राजनैतिक धोखे का कराार जवाब देगी।

## विद्यार्थियों की सफलता से गौरवान्वित हुआ विक्टर कॉन्वेंट स्कूल



—हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज—

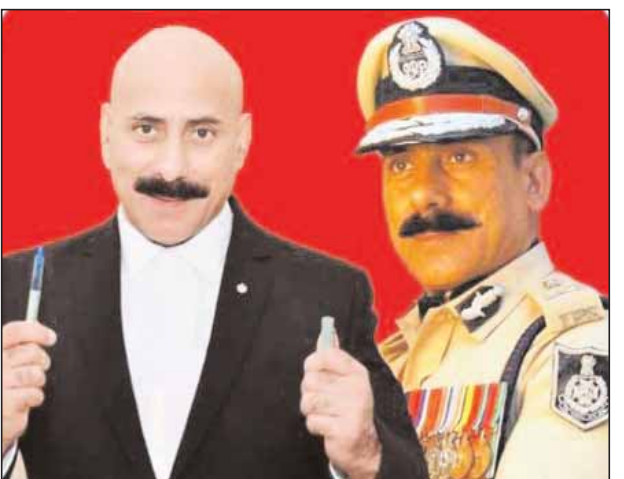
मुरैना। न्यू हाउसिंग बोर्ड कालोनी स्थित विक्टर कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल ने इस वर्ष माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त करते हुए अपने अनुशासन, परिश्रम एवं लगन से विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी एवं उत्साह का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने एक-दूसरे को बधाई देकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। कक्षा 10वीं के परिणामों में सुमित कुशवाहा ने 94.20% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। शैलेन्द्र गुर्जर ने 92.20% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त

किया, वहीं शोली गुर्जर 91.00% अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहें। सिमरन यादव ने 90.40% एवं निक्की जाटव ने 90.00% अंक प्राप्त कर विद्यालय के टॉप 5 विद्यार्थियों में स्थान बनाया। सभी विद्यार्थियों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा, जिससे विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। इसी प्रकार कक्षा 12वीं के परिणामों में भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अमेय पारनेकर ने 93.40% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। नित्या राजपूत ने 89.20% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि भूमि तोमर 89.00% अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहें। रोनाक सिंकरवार (84.60%) एवं जिज्ञासा शिवहरे (84.00%) ने भी उत्कृष्ट स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

विद्यालय के प्राचार्य ने इस अवसर पर सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के निरंतर सहयोग का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। विद्यालय के समस्त शिक्षकगणों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी लगन और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। अभिभावकों ने भी विद्यालय के शिक्षकों एवं प्रबंधकों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर गर्व जताया।

## अनुच्छेद 14 कानूनी पेशेवर का सबसे बहुमुखी शस्त्र

—एडवोकेट दिनेश चंद्र सागर—  
संवैधानिक कानून के अध्यास में हम अक्सर 'खर्ग त्रिभुज' (अनुच्छेद 14, 19 और 21) का उल्लेख करते हैं, लेकिन एक अधिवक्ता और कानून प्रवर्तन के पूर्व अनुभवी के रूप में, मैं मानता हूँ कि अनुच्छेद 14 एक कानूनी पेशेवर का सबसे बहुमुखी शस्त्र है। जहाँ इसका मूल पाठ 1950 से अपरिवर्तित है, वहीं न्यायिक व्याख्याओं ने इसे कार्यकारी मनमानेपन के विरुद्ध एक अचूक 'ब्रह्माक्षर' बना दिया है। विधि जगत के लिए, अनुच्छेद 14 केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि वह प्राथमिक माध्यम है जिसके द्वारा हम किसी कानून की वैधता या राज्य की कार्यवाही की प्रक्रियात्मक अनियमितता को चुनौती देते हैं।  
**न्यायशास्त्रीय संरचना: पाठ से परे**  
एक अधिवक्ता के रूप में, हम अनुच्छेद 14 की व्याख्या दो विशिष्ट स्तरों के माध्यम से करते हैं जो हमारी दलीलों (Pleadings) का आधार बनते हैं:



**'गैर-मनमानेपन' तक**  
दशकों तक हमारा ध्यान 'उचित वर्गीकरण के सिद्धांत' पर केंद्रित रहा। हम स्टेट ऑफ वेस्ट बंगाल बनाम अनवर अली सरकार के परीक्षण पर निर्भर थे:  
**बोधगम्य अंतर (Intelligible Differential):** क्या वर्गीकरण का कोई स्पष्ट आधार है?  
तर्कसंगत संबंध (Rational Nexus): क्या उस आधार का अधिनियम के उद्देश्य से कोई तार्किक संबंध है?  
हालाँकि, रोयप्पा (1974) और मेनका गांधी (1978) के युग ने हमारी रणनीति को बदल दिया। न्यायमूर्ति भगवती की इस घोषणा ने कि 'समानता मनमानेपन की विरोधी है', अनुच्छेद 14 को पारंपरिक सीमाओं से मुक्त कर दिया। आज, हम केवल यह तर्क नहीं देते कि कानून भेदभाव करता है, हम यह तर्क देते हैं कि राज्य की कार्यवाही 'स्पष्ट रूप से मनमाना' (Manifestly Arbitrary) है।  
आधुनिक अधिवक्ता का टूलकिट

(2026)?2026 में, अनुच्छेद 14 का दायरा उन क्षेत्रों में विस्तारित हो गया है जहाँ तकनीकी समझ और कानूनी ज्ञान का भेद आवश्यक है:  
**उचित आवास का सिद्धांत (Reasonable Accommodation):** दिव्यांगों के अधिकारों और सामाजिक न्याय के मामलों में, अब हम तर्क देते हैं कि 'औपचारिक समानता' पर्याप्त नहीं है। राज्य को व्यक्तिगत भिन्नताओं को समायोजित करने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए। ऐसा न करना अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।  
**एल्गोरिथम जवाबदेही (Algorithmic Accountability):** एआई (AI) आधारित शासन के इस दौर में, यदि कल्याणकारी योजनाओं या लाइसेंसिंग का निर्णय किसी सॉफ्टवेयर द्वारा लिया जाता है, तो हम उस कोड की पारदर्शिता को चुनौती देते हैं। यदि डेटा पक्षपाती है, तो वह अनुच्छेद 14 के तहत 'मनमाना' माना जाता है।  
**सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता:** स्पेक्ट्रम और प्राकृतिक संसाधनों के

आवंटन के मामलों में, अनुच्छेद 14 हमारा सबसे मजबूत तर्क है। राज्य एक 'ट्रस्टी' (न्यासी) है, और बिना पारदर्शिता या निष्पक्षता के किया गया कोई भी आवंटन अनुच्छेद 14 की वेदी पर टिक नहीं सकता।  
**निष्कर्ष: एक जीवंत प्रहरी**  
एक अधिवक्ता के लिए, अनुच्छेद 14 केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि अदालत का वह जीवंत प्रहरी है जो यह सुनिश्चित करता है कि 'कानून का शासन' किसी व्यक्ति को सनक पर भारी पड़े। चाहे हम किसी हाशिए पर खड़े नागरिक की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा कर रहे हों या किसी बड़े सरकारी टेंडर को चुनौती दे रहे हों, अनुच्छेद 14 हमें वह बुनियादी तर्क प्रदान करता है: कि राज्य को निष्पक्ष होना चाहिए, उसके कारण ठोस होने चाहिए और उसकी कार्यवाही न्यायपूर्ण होनी चाहिए।  
एक कुशल अधिवक्ता के हाथों में, अनुच्छेद 14 यह सुनिश्चित करता है कि प्रस्तावना का वादा केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक लागू होने वाली वास्तविकता है।  
**विधि जगत के लिए मुख्य बिंदु:**  
औपचारिकता से ऊपर सार: हमेशा यह देखें कि क्या कानून केवल कागज़ पर समान है या उसके परिणाम भी समान हैं।  
मनमानेपन ही कुंजी है: आधुनिक मुकदमों में, 'तार्किक संबंध' के बजाय 'स्पष्ट मनमानेपन' को सिद्ध करना अधिक प्रभावी होता है।  
अंतरसंबंध: अनुच्छेद 14 को हमेशा अनुच्छेद 19 और 21 के साथ पढ़ा जाना चाहिए जिससे समुचित न्याय सुनिश्चित हो सके। यही भारतीय संविधान की सशक्त और विलक्षण महानता है।  
**न्याय दर्पण**

बिना ई-टोकन खाद बेचना भारी पड़ा, डबरा के उर्वरक विक्रेता का लाइसेंस निलंबित

ग्वालियर। जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत ई-विकास (ई-टोकन) प्रणाली लागू की गई है। जिसके तहत शासकीय संस्थाओं के साथ-साथ निजी खाद विक्रेताओं को भी ई-टोकन व्यवस्था के तहत खाद वितरित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बिना ई-टोकन के खाद बेचने वाले विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित करने के निर्देश उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास को दिए हैं। इस कड़ी में उर्वरक वितरण निगमों का उल्लंघन करने पर पिछरे तिराहा डबरा स्थित प्राइवेट खाद विक्रेता फर्म श्रीराम कृषि सेवा केन्द्र का उर्वरक विक्रय लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।  
उप संचालक, किसान कल्याण एवं कृषि विकास आर.बी.ए. जाटव ने बताया कि जांच और परीक्षण के दौरान पाया गया कि मेसर्स श्रीराम कृषि सेवा केन्द्र, पिछरे तिराहा (डबरा) द्वारा 01 अप्रैल से 02 अप्रैल 2026 के मध्य बिना टोकन के खाद का विक्रय किया गया। नियम विरुद्ध खाद बेचने पर संबंधित फर्म (प्रोप्रेटर श्री शालिक राम भवेल) को विभाग द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था।

उप संचालक, किसान कल्याण एवं कृषि विकास आर.बी.ए. जाटव ने बताया कि जांच और परीक्षण के दौरान पाया गया कि मेसर्स श्रीराम कृषि सेवा केन्द्र, पिछरे तिराहा (डबरा) द्वारा 01 अप्रैल से 02 अप्रैल 2026 के मध्य बिना टोकन के खाद का विक्रय किया गया। नियम विरुद्ध खाद बेचने पर संबंधित फर्म (प्रोप्रेटर श्री शालिक राम भवेल) को विभाग द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था।

## औद्योगिक प्रयोजन के लिये जमीन आवंटन में कदापि देरी न हो: कलेक्टर श्रीमती चौहान

मोहना औद्योगिक क्षेत्र, स्टोन पार्क व रंग मिल इंडस्ट्रियल एरिया के विकास की हुई समीक्षा

ग्वालियर। औद्योगिक प्रयोजन के लिये भूमि अधिग्रहण (भू-अर्जन) और सरकारी जमीन के आवंटन का कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें। साथ ही पूरी प्रक्रिया के दौरान विधिक प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करें, जिससे भविष्य में औद्योगिक विकास में कोई कानूनी अड़चन न आए। इसके लिये एमपीआईडीसी (मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम) एवं संबंधित राज्य अधिकारी आससी समन्वय बनाकर काम करें। इस आशय के निर्देश बुधवार को कलेक्टर के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कक्षा के औद्योगिक क्षेत्रों के विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप औद्योगिक निवेश के लिये अनुकूल वातावरण का निर्माण और जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि किसी भी



औद्योगिक क्षेत्र में कोई समस्या हो तो उसे तत्काल ध्यान में लाएँ। राज्य सरकार द्वारा मोहना में 210 हेक्टेयर से अधिक रकबे में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। यहां पर अधोसंरचना के विकास के लिये सरकार द्वारा लगभग 140 करोड़ रुपए की धनराशि मंजूर की गई है। मोहना में 162 औद्योगिक प्लॉट्स विकसित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार की उद्योग प्रोत्तनी नीति की बदौलत ग्वालियर जिले को औद्योगिक विकास के क्षेत्र में बड़ी खुशखबरी मिलने जा

रही है। देश के चुनिंदा औद्योगिक क्षेत्रों में ग्वालियर जिले का मोहना औद्योगिक क्षेत्र भी शामिल होगा। भारत सरकार को भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत मोहना औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि स्टोन पार्क के विकास व व्यवसाय में बाधा बन रहे अतिक्रमण हटाए जायेंगे। इस दिशा में अतिक्रमणकारियों को एमपीआईडीसी द्वारा नोटिस जारी कर

दिए गए हैं। शिक्षा नगर के पीछे रैसकोर्स रोड से जोड़ने वाले मार्ग के समीप स्थित रंग मिल इंडस्ट्रियल एरिया के विकास से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा भी बैठक में की गई। बैठक में एमपी आईडीसी ग्वालियर की कार्यकारी निदेशक श्रीमती अनंशा श्रावस्तव, एसडीएम एवं भू-अर्जन अधिकारी सुयंकत त्रिपाठी, लोक निर्माण विभाग, सेतु संभार के कार्यपालन यंत्री सहित औद्योगिक विकास निगम व राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

## भोजन सरस होगा तो भजन नीरस होगा: राघव ऋषि

ग्वालियर। जयेंद्रगंज स्थित नदीगट समीपस्थ माधव मंगल पैलेस में ऋषि सेवा समिति के तत्वावधान में श्रीमद भागवत कथा के पंचम दिवस राघव ऋषि ने दिव्य रहस्य उद्घाटित करते हुए नन्द महोत्सव का शुभारंभ किया तो सम्पूर्ण प्रगण ब्रजमय बन गया। पुण्यवृष्टि से लोगों ने बालकृष्ण भगवान का जन्मोत्सव मनाया। नन्द अर्थात् जो सभी को आनन्द देने के लिए है। जन्म सभी को आनन्द देने के लिए है। पुण्यवृष्टि के एकमात्र सुपुत्र सौरभ ऋषि ने नन्द घर आनन्द भयो जय कन्हैया लाल की भजन गाया तो सभी श्रोतारण अपने स्थान में खड़े होकर आनन्द में झुमते हुए नंदोत्सव मनाया।

इस अवसर पर सभी को माखन प्रसाद दिया गया। पुण्य ऋषि जी ने कहा कि प्रत्येक इद्रियों से जो भक्त रस का पान करता है वो गोपी है। लोग शरीर की अपेक्षा मन से अधिक पाप करते हैं। शरीर को मथुरा और हृदय को गोकुल यदि नंदरूपी जीव बनता है तो प्रभु की कृपा प्राप्त होती है। भगवान ने बाललीला में सबसे पहले पूतना का वध किया। पूतना अर्थात् जो पवित्र नहीं है वो है पूतना। अज्ञान पवित्र नहीं है। सौरभ ऋषि ने जरी की पगड़ी बांधे भजन से बालकृष्ण प्रभु की झांकी खींची तो सभी हर्षांतिक हो गए। कथा झांकी का पूजन श्रीमती चन्द्रकान्ता एवं शिवराम अग्रवाल तथा पोथीपूजन एवं



व्यासपूजन रामप्रसाद शाक्य एवं ललित मोहन माधेश्वरी द्वारा किया गया। गोवर्धन पूजन श्रीमती प्रेमलता एवं आनन्द मोहन अग्रवाल ने की। जमानसन द्वारा प्रातः 7.30 बजे से नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श में अनेक क्षेत्रवासियों ने जनसंपर्क के माध्यम से निजी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया।

# ग्वालियर में हाईस्कूल का 65.95 प्रतिशत व हायर सेकेण्ड्री का 71.39 प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम



हाईस्कूल में 12 एवं हायर सेकेण्ड्री में 10 परीक्षार्थी प्रावीण्य सूची में

व सकारात्मक सोच की बदौलत सफलता के उच्चतम मुकाम पर पहुंचे।

कन्या उमावि लक्ष्मी की छात्रा कु. अनुष्का राठौर, संत कंवरराम उमावि डबरा के छात्र अंशुल साहू

ग्वालियर। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित की गई हाईस्कूल व हायर सेकेण्ड्री परीक्षा के परिणाम बुधवार 15 अप्रैल को भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में घोषित किए गए। जिले के हायर सेकेण्ड्री के परीक्षा परिणाम में पिछले साल की तुलना में 9.46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हाईस्कूल परीक्षा में पिछले साल की तुलना में 2.04 प्रतिशत की कमी आई है। जिले के 12 परीक्षार्थी हाईस्कूल परीक्षा की प्रदेश की प्रावीण्य सूची में आए हैं। इसी तरह हायर सेकेण्ड्री की प्रावीण्य सूची में 10 परीक्षार्थियों ने स्थान बनाया है।

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा के विज्ञान - गणित समूह में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फेंट ग्वालियर की छात्रा कु. गौरी शर्मा ने 491 अंक प्राप्त कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह वाणिज्य समूह में शासकीय कन्या उमावि शिंदे की छात्रा कु. मनु शुक्ला ने 489 अंक हासिल कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में दूसरा स्थान पाया है। हाईस्कूल में संत चिन्मय पब्लिक उमावि द्वारिकापुरी के छात्र अनुमोल गोयल ने 496 अंक हासिल कर प्रावीण्य सूची में चौथा स्थान हासिल किया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बोर्ड परीक्षा में सफलता का परचम लहाने वाले जिले के सभी परीक्षार्थियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सफल विद्यार्थियों से अपील की है कि अब अपनी अगली उड़ान के लिये तैयार हो जाइए। साथ ही जो परीक्षार्थी असफल रहे हैं, उनसे अपील की है कि आप सब निराश न हों। यह केवल एक छोटा सा पड़ाव है अपनी सोच को सकारात्मक रखें और मन लगाकर पढ़ाई करें, आगे अवश्य सफलता मिलेगी। कलेक्टर ने कहा है कि असफलता ही सफलता का रास्ता दिखाती है। देश और दुनिया में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं कि आरंभ में असफल हुए लोग अपनी मेहनत, लगन



जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी ने बताया कि मौजूदा साल अर्थात वर्ष 2026 में हुई माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेण्ड्री परीक्षा परिणाम में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2026 में परीणाम 71.39 प्रतिशत रहा है। पिछले साल यानि 2025 में हायर सेकेण्ड्री का परीक्षा परिणाम 61.93 प्रतिशत था। इस प्रकार मौजूदा साल के हायर सेकेण्ड्री परीक्षा परिणाम में 9.46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हाईस्कूल परीक्षा में ग्वालियर जिले का परीक्षा परिणाम 65.95 प्रतिशत रहा है। पिछले साल यानि 2025 में हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 67.99 प्रतिशत था। इस प्रकार मौजूदा साल के हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में 2.04 प्रतिशत की कमी आई है।

हाईस्कूल में इन परीक्षार्थियों ने प्रावीण्य सूची में बनाया स्थान हाईस्कूल में संत चिन्मय पब्लिक उमावि द्वारिकापुरी के छात्र अनुमोल गोयल ने 500 में से 496 अंक हासिल कर प्रावीण्य सूची में चौथा स्थान हासिल किया है। इसी तरह शासकीय गजर

## सांदिपनि पदमाराजे कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का परीक्षा परिणाम

हाईस्कूल 98 प्रतिशत हायरसेकेंड्री 90 प्रतिशत राज्य मेरिट 2 स्थान तमन्ना गुप्ता 8वां स्थान 492 अंक राखी राठौर 9वां स्थान 491

व शासकीय सांदिपनि उमावि बेरजा के छात्र पंकज बघेल ने 493 - 493 अंक हासिल कर सातवां स्थान प्राप्त किया है। सांदिपनि पद्मा कन्या उमावि की छात्रा कु. तमन्ना गुप्ता, जैक एण्ड जिल कन्या हाईस्कूल कम्प लक्ष्मी कु. पलक

चौरसिया, समर्थ बाल मंदिर उमावि आनंदनगर की छात्रा कु. रंजना धाकड़ व एस किण्डर गार्डन हाईस्कूल के छात्र रोहित कुशवाहा द्वारा 492 - 492 अंक प्राप्त कर प्रावीण्य सूची में आठवां स्थान पाया है। इसी तरह शासकीय पद्मा कन्या उमावि लक्ष्मी की छात्रा कु. राखी राठौर, एस किण्डर गार्डन स्कूल तानसेन नगर की छात्रा कु. आयुषी भदौरिया व सम्राट पब्लिक उमावि शिव कॉलोनी मुरार की छात्रा कु. गुनगुन टैगोर ने 491 व 491 अंक प्राप्त कर प्रावीण्य सूची में नौवां स्थान हासिल किया है। शासकीय हाईस्कूल बड़ेरी की छात्रा कु. पलक ने 500 में से 490 अंक हासिल कर प्रावीण्य सूची में दसवां स्थान पाया है।

## हायर सेकेण्ड्री में ये परीक्षार्थी आए हैं प्रावीण्य सूची में

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा के विज्ञान गणित समूह में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फेंट ग्वालियर की छात्रा कु. गौरी शर्मा ने 491 अंक प्राप्त कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह वाणिज्य समूह में शासकीय कन्या उमावि शिंदे की छात्रा कु. मनु शुक्ला ने 489 अंक हासिल कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में दूसरा स्थान पाया है। हायर सेकेण्ड्री परीक्षा में विज्ञान - गणित समूह में शासकीय बालक उमावि भितरवार के छात्र हर्ष गोयल ने 489 अंक प्राप्त कर चौथा, शासकीय उमावि फेंट ग्वालियर के छात्र हर्ष यादव ने 486 अंक प्राप्त कर सातवां एवं लार्ड कृष्णा उमावि ग्वालियर की छात्रा कु. सारिका जाटव ने 485 अंक हासिल कर प्रावीण्य सूची में आठवां स्थान पाया है। हायर सेकेण्ड्री परीक्षा के वाणिज्य समूह में शासकीय उक्त उमावि मुरार-1 की छात्रा कु. अनुष्का शर्मा ने 487 अंक हासिल कर चौथा, गात्रो उमावि निम्बालकर की गोठ लक्ष्मी के छात्र देवराज पाल ने 485 अंक प्राप्त कर छठवां एवं सिद्धार्थ मॉडर्न अंग्रेजी माध्यम उमावि लक्ष्मी की छात्रा कु. कनक अग्रवाल, शासकीय आंवले व सिद्धार्थ मॉडर्न अंग्रेजी माध्यम उमावि लक्ष्मी के छात्र तनिक गोस्वामी ने 481-481 अंक हासिल कर प्रावीण्य सूची में दसवां स्थान बनाया है।

## शासकीय उक्त विद्यालय मुरार की छात्रा अनुष्का प्रावीण्य सूची में

शासकीय उक्त विद्यालय मुरार की छात्रा अनुष्का शर्मा ने कक्षा 12वीं में राज्य प्रावीण्य सूची में वाणिज्य विषय से 500 में से 487 अंक प्राप्त करके चौथा स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर विद्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी, प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रेखा मुले, परीक्षा प्रभारी डॉ. उमेश पाठक ने विद्यालय के कक्षा 10 एवं कक्षा 12 के 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त छात्र-छात्राओं का पुष्पहार और मिठाई खिलाकर सम्मान किया।

# सीजन का सबसे गर्म दिन इस साल पहली बार, अधिकतम तापमान पहुंचा 40 डिग्री पार

रात का पारा दस दिन बाद सामान्य से ऊपर हुआ

39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। तापमान पांच अप्रैल से सामान्य से



ग्वालियर। ग्वालियर में अब गर्मी लगातार बढ़ रही है। बुधवार को बीते दिन की अपेक्षा अधिकतम तापमान 0.7 अंक बढ़कर इस सीजन में पहली बार दिन का तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस आंका गया। यह सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ। इसके चलते दिन के तापमान ने इस साल 2026 में अब तक का रिकार्ड तोड़ दिया है। सुबह 10 बजे से ही असहनीय धूप हो रही है। जबकि दोपहर में बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। रात के तापमान में भी पूरे दस दिन बाद सामान्य से ऊपर पहुंच गया। मौसम को लेकर भोपाल मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अब दिन के साथ-साथ रात की गर्मी भी बढ़ेगी तथा अप्रैल के तीसरे सप्ताह के अंत तक लू चलने की संभावना है। ऐसे में लू से बचकर रहें। ग्वालियर में अभी मौसम साफ है। ऐसे में सुबह से ही तेज धूप हो रही है। आखिर छह दिन से लगातार दिन का तापमान बढ़ रहा है। सात दिन में लगभग 9 अंक तापमान बढ़ गया है और बीते दिन मंगलवार को अधिकतम तापमान

यह सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ था। जबकि बुधवार को 0.7 अंक बढ़कर अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। यह सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस मायनस में दर्ज हुआ था। जबकि बुधवार को 2.9 अंक बढ़कर न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस आंका गया। यह सामान्य से 0.6 अंक बढ़कर दर्ज हुआ। यहां बता दें कि अप्रैल माह में न्यूनतम

नीचे आंका जा रहा था। जबकि 10 दिन बाद बुधवार को रात का पारा भी सामान्य से ऊपर पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो अब दिन के साथ-साथ रात की गर्मी भी असहनीय होने की संभावना है।

## धीरे धीरे और बढ़ेगा तापमान, बड़ेगी गर्मी

भोपाल मौसम वैज्ञानिक डॉ अरूण शर्मा ने बताया कि अभी फ्लहाल आसमान साफ रहेगा और तापमान धीरे धीरे ऊपर छलांग लगायेगा। जिससे गर्मी और भीषण होती जायेगी। 17 अप्रैल से अंचल में लू चलने की संभावना है।

# झगड़े में बीचबचाव कराने वाले के घर में घुसे बदमाश, बोला हमला

कट्टा लहराते हुए किया पयर

ग्वालियर। बुधवार को खुलेआम गोलियां चलाने और दरवाजे को तोड़ने का एक वीडियो सामने आया है। कट्टा, डंडा से लैस तीन बदमाशों ने एक युवक के घर पर हमला बोल दिया। पहले गोली चलाई फिर किक मारकर दरवाजा तोड़ दिया। अंदर घुसकर जब युवक नहीं मिला तो उसकी पत्नी और तीन बच्चों के सामने कट्टा लहराते हुए पयर कर दिया। इतना ही नहीं उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना उपनगर ग्वालियर के जगनापुर लधेड़ी में मंगलवार रात की है।



राहुल व उसके साथियों ने गाली गलौज करना शुरू कर दिया। बदमाशों ने उससे उसके पति पवन कुशवाह के बारे में पूछताछ की तो उसने बताया कि वह घर पर नहीं है। इस पर बदमाशों ने कहा कि आ जाए तो समझा देना। नहीं तो हम उसे खत्म कर देंगे। इसके बाद बदमाशों ने घर में तोड़फेंड की और फिर बाहर जाकर राहुल यादव ने गोली चला दी। गोली चलने से इलाके में दहशत में फैल गई। पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की

तो पता चला कि एक दिन पहले ई-रिक्शा चालक और एक बाइक सवार के बीच बहस हो रही थी, तभी वहां से गुजर रहे पवन कुशवाह ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। वह दोनों को शांत कर अलग कराने का प्रयास कर रहा था। हालांकि, ई-रिक्शा चालक राहुल यादव का साथी होने के कारण उन्हें लगा कि पवन कुशवाह दूसरे पक्ष का समर्थन कर रहा है। इसी गलतफहमी के चलते आरोपियों ने नाराज होकर पवन कुशवाह के घर पर हमला बोल दिया था। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुतेज में बदमाश पयरिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। पहले उन्होंने एक राउंड फयर किया, फिर घर के दरवाजे पर लात मारकर अंदर घुसे। अंदर घुसकर तोड़फेंड की और बाहर निकलते समय फिर से पयरिंग की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों को पहचान कर रही है।

# डबरा में अबोध बालिका से दुष्कर्म कितान के घर से 11 लाख रुपए व हत्या के आरोपी को फांसी का माल समेट ले गए चोर

ग्वालियर। डबरा में एक अबोध बालिका के साथ दुष्कर्म और उसकी निमंत्रण हत्या के मामले में एक आरोपी शेरू जाटव उम्र 27 वर्ष को फांसी की सजा सुनाई गई है। डबरा के चतुर्थ अपर सर न्यायालय विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट विक्रम भार्गव ने आरोपी शेरू जाटव पुत्र पातीराम जाटव निवासी थाना करहिया जिला ग्वालियर को दुष्कर्म कर हत्या के आरोप में दोष सिद्ध पाते हुये मृत्यु दंड एवं 7 हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है। जानकारी के अनुसार फरियारी पीडिता के पिता ने हमराह अपने बड़े

भाई के साथ थाने आकर जुबानी रिपोर्ट की थी कि 6 फरवरी 2023 को शाम 8 बजे पीडिता मृतिका उम्र 07 साल की गांव में बारात देखने गई थी, काफी रात तक वह वापस घर नहीं आई तो मैंने व मेरे घरवालों ने लडकी की तलाश की व आस पास पूछताछ की तब एक व्यक्ति ने बताया कि पीडिता को मैंने रात्रि में शेरू जाटव के साथ देखा था तब मैंने और गांव के सभी लोगों ने मिलकर शेरू जाटव से पूछ कि मेरी लडकी पीडिता कहाँ है तो आरोपी शेरू जाटव ने बताया कि वह पीडिता को अपने साहू जो पिछे में

रहा है उसके यहां पर छोड़ आया है तत्पश्चात थाना करहिया को सूचना दी गयी और पीडिता की यथासंभव स्थान के तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा अभियुक्त शेरू जाटव पुत्र पातीराम जाटव आयु 27 साल निवासी थाना करहिया जिला ग्वालियर को अबोध बालिका के साथ दुष्कर्म कर हत्या के आरोप में दोषसिद्ध पाते हुए मृत्यु दण्ड एवं 7 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। मामले की पैरवी श्रीमती हेमी गुप्ता विशेष लोक अभियोजक एडीपीओ डबरा द्वारा की गयी।

अभियोजन द्वारा प्रस्तुत मौखिक व परिस्थितयय साक्ष्य एवं अभियोजन के तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा अभियुक्त शेरू जाटव पुत्र पातीराम जाटव आयु 27 साल निवासी थाना करहिया जिला ग्वालियर को अबोध बालिका के साथ दुष्कर्म कर हत्या के आरोप में दोषसिद्ध पाते हुए मृत्यु दण्ड एवं 7 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। मामले की पैरवी श्रीमती हेमी गुप्ता विशेष लोक अभियोजक एडीपीओ डबरा द्वारा की गयी।

## पुरानी छवनी थाना क्षेत्र में चोरों ने मचाया धमाल

ग्वालियर। किसान के घर छत के रास्ते आए चोर नकदी, गहने सहित करीब 11 लाख रुपए का माल साफ कर ले गए। जिस समय चोर वादात को अंजाम देकर वापस जा रहे थे, उसी समय किसान की बेटी की आंख खुल गई और उसने शोर मचाया तो चोर उसे धक्का देकर भाग निकले। घटना पुरानी छवनी थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुरा में बीती रात करीब तीन बजे की है। बेटी ने शोर मचाया तो

अन्य परिजन वहां पहुंचे और चोरों की जानकारी पुलिस को देकर उनकी तलाश की, लेकिन वह हाथ नहीं आए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुरानी छवनी थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुरा निवासी 32 वर्षीय कमल किशोर पुत्र किशनलाल जाटव किसान है। बीती रात उनकी तरह वर्षीय बेटी को दस्त हो रहा था तो वह बार-बार शौच के लिये जा रही थी। रात करीब तीन बजे वह शौच के लिए जा रही थी। तभी आंगन में उसे एक युवक दिखाई दिया। वह कुछ

समझ पाती, उससे पहले ही दो अन्य युवक कमरे से बाहर आते दिखे। उसने आवाज लगाते का प्रयास किया तो युवक उसे धक्का देकर भाग निकले। तुरंत ही उसने शोर मचाया तो अन्य परिजन वहां पर पहुंचे तो पता चला कि भागने वाले चोर हैं। इसका पता चलते ही पुलिस को सूचना दी और चोरों की तलाश की। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। पीडित ने पुलिस को बताया कि चोर उनके घर से 70

हजार रुपए नकदी, सवा किलो चांदी और साढ़े पांच तोला सोने के जेवर चोरी कर ले गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। उपर इसी थाना क्षेत्र के गंगा मालनपुर निवासी धर्मनंद सिंह यादव ने पुलिस से शिकायत की है कि बीती रात उनके घर चोरों ने धावा बोलकर नकदी 1 लाख 60 हजार रुपए के साथ ही मंदिर में रखी गणेश भगवान की चांदी की मूर्ति चोर चोरी कर ले गए हैं। पीडित की शिकायत पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

# रंजिश पर फायरिंग करने वाले दो पकड़े

ग्वालियर। पांच दिन से पुलिस को चकमा दे रहे फायरिंग के दो आरोपियों को उठीला थाना पुलिस ने बंधा रोड से पकड़ लिया है। इस मामले में पकड़े गए दोनों आरोपी भाई हैं और फायरिंग करने वाले इनके पिता को पुलिस दो दिन पहले ही पकड़ चुकी है। पुलिस अब पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में जुट गई है। एसडीओपी बेहट मनीष यादव ने बताया कि विकास पाराशर का आठ दिन पहले त्यागी नगर मुरार में अनुज पाठक और संजीव से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। उस वक्त इन्होंने विकास की मारपीट की थी। इसी रिपोर्ट को लेकर शनिवार की रात

अनुज और संजीव अपने पिता बृजमोहन व कुछ साथियों के साथ चार पहिया वाहन में सवार होकर विकास के घर पहुंचे और फायरिंग की थी। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर मीरा नगर से वादात में शामिल बृजमोहन पाठक को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि अनुज व संजीव हाथ नहीं आए थे। पुलिस उनकी तलाश कर रही थी कि आज सुबह उनका पुलिस से आमना-सामना हो गया और थाना प्रभारी उठीला नरेन्द्र सिंसोदिया ने पुलिस बल की मदद से उन्हें पकड़ लिया। पुलिस अब पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ में जुट चुकी है।

# आज से शुरू होगी स्व-गणना, प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स का प्रशिक्षण शुरू

ग्वालियर। जिले में भी विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक कार्यों में शामिल भारत की जनगणना की तैयारियां निर्धारित कार्यक्रम के तहत जारी है। जिले के नागरिकों को स्व-गणना का अवसर मिला है। एसई वेब पोर्टल के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में कोई भी व्यक्ति जनगणना संबंधी 34 बिंदुओं में अपनी जानकारी स्वयं भर सकता है। जिले में गुरुवार 16 अप्रैल से स्व-गणना शुरू होगी। जिले में चल रही जनगणना की तैयारियों के सिलसिले में बुधवार 15 अप्रैल से प्रगणकों एवं सुपरवाइजर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। तीन चरणों में सभी प्रगणकों व सुपरवाइजर



ग्वालियर नगर निगम क्षेत्र के प्रगणकों और सुपरवाइजर का प्रथम चरण स्कूल में शुरू हुआ। इसी तरह डबरा के आईआईपीएस स्कूल, चीनोर में

ज्ञान सरोवर स्कूल एवं भितरवार के मॉडल स्कूल सहित जिले में अन्य स्थानों पर यह प्रशिक्षण शुरू हुआ। मास्टर ट्रेनर एसबी ओझा ने बताया कि प्रथम चरण का प्रशिक्षण 15 से 17 अप्रैल, द्वितीय चरण में 19 से 21 अप्रैल एवं तृतीय चरण में 23 से 25 अप्रैल तक प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन तीन दिनों में प्रशिक्षण के अलावा प्रशिक्षण प्रगणक व सुपरवाइजर प्रशिक्षित होंगे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिलेवासियों से भी अपील की कि जनगणना के लिये आने वाले प्रगणकों को बेझिझक सही-सही जानकारी दें। आपकें द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रहेगी।

# भ्रष्टाचार को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं मानसिक आरोग्यशाला के संचालक: संघ

ग्वालियर। सर्वमानव कल्याण महासंघ के अध्यक्ष भानुप्रताप चौरसिया ने मानसिक आरोग्यशाला के संचालक पर मर्सीहोम में पदस्थ कर्मचारियों को परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि वे अपने भ्रष्टाचार को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं। जानबूझकर अनियमिततायें बरती जा रही हैं और मर्सीहोम के समस्त स्टाफ को प्रताड़ित किया जा रहा है। ठेका कर्मचारियों की हाजिरी रजिस्टर तक की बार बार फोटोकॉपी मंगाई जा रही है। यहां तक कि कर्मचारियों की अनुपस्थिति लगाने के लिये मेडीकल

आफीसर को मजबूर किया जा रहा है। जबकि जब जब मर्सीहोम में कलेक्टर, एनएचएम टीम ने औचक निरीक्षण किया है तब तब मेडीकल आफीसर एवं स्टाफ का कार्य संतोषजनक मिला है। मेंटल हास्पिटल के संचालक मर्सीहोम के गाईड को धमकाया है। चोरी से रजिस्टर लेने की मांग की है। अब संघ मांग करता है कि मानसिक आरोग्यशाला के संचालक को तत्काल हटाया जाये, ताकि मानसिक आरोग्यशाला में भ्रष्टाचार एवं अनियमितता को रोका जा सके। वहीं ठेका कर्मचारियों को प्रताड़ित होने से रोका जा सके।

# सिरफिटे प्रेमी ने छात्रा और उसके दोस्त के साथ की मारपीट

ग्वालियर। प्यार टूटने से नाराज सिरफिटे प्रेमी ने अपने दो साथियों के साथ प्रेमिका व उसके दोस्त की मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे दी। घटना सिरोल थाना क्षेत्र के कामो एम्पायर सिरिली में मंगलवार दोपहर दो बजे की है। वादात को अंजाम देकर आरोपी भाग निकले। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। हजीरा कांचिमिल निवासी 21

वर्षीय युवती छात्रा है और जीवाजी विश्वविद्यालय से बीपीएड कर रही है। एक साल पहले उसका प्रेमी आकाश गुप्ता से ब्रेकअप हो गया है और कुछ दिनों से उसकी दोस्तो पिप्यू द्विवेदी से है। ब्रेकअप के बाद भी आकाश उसका पीछा कर परेशान कर रहा था और उससे छेड़छाड़ करता था। छात्रा व उसके दोस्त पिप्यू के पैर में लिगामेंट इंजुरी आई थी, जिसकी एमआरआई कराने के लिए दोनों को जाना था। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे छात्रा दोस्त के

पलैट पर पहुंची तो वहां पर आकाश अपने दो साथियों के साथ आ धमका। इसके बाद आकाश छात्रा को घसीटता हुआ अंदर वाले कमरे में खींच ले गया और बात करने के लिए बोला। जब छात्रा ने बात करने से मना किया तो धमकी दी कि अगर उससे बात नहीं की तो उसके घर वालों को उसके बारे में बता दूंगा। साथ ही उसे व उसके दोस्त को जान से खत्म कर दूंगा। इसके बाद आकाश ने छात्रा व आकाश के दोस्तों ने पिप्यू की मारपीट करना शुरू

कर दिया। वह बेरहमी से मारपीट कर रहे थे कि तभी मौका पाकर पिप्यू गेट खोलकर बाहर पहुंचा और मदद के लिए आवाज लगाई तो आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। वादात की शिकार छात्रा व उसका दोस्त थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के घर पर दबिश दी, लेकिन वह घर से फरार मिले हैं। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

# फर्जी हत्या के प्रयास के मामले में फरार इनामी बदमाश पकड़ा

ग्वालियर। फर्जी हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे दस हजार रूपये के इनामी बदमाश को उठीला पुलिस ने मोहनपुर पुल के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्तार में आया बदमाश भिंड जिले के उमरी थाना क्षेत्र से फरार था और पुलिस अधीक्षक भिंड ने उस पर पांच हजार रूपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस ने इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर उमरी पुलिस को सौंप दिया है। एसडीओपी बेहट मनीष यादव ने बताया कि उठीला थाना पुलिस ने दस हजार रूपये के इनामी बदमाश नंदी उर्फशिवराज त्यागी पुत्र गंकेश त्यागी निवासी ग्राम कनथर थाना अमरगम जिला भिण्ड को मोहनपुर पुल के पास से गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी उठीला नरेन्द्र सिंसोदिया ने बताया कि उन्हें जिरिये मुख्यांबर सूचना मिली थी कि एक बदमाश मोहनपुर पुल के पास रफा रही है। सूचना मिलते ही उन्होंने पुलिस की टीम को मौके पर भेजा तो पुलिस को देखकर बदमाश ने भागने का प्रयास किया, जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर धर दबोचा। पुलिस ने बदमाश को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम नंदी उर्फशिवराज त्यागी बताया। पुलिस की गिरफ्तार में आया बदमाश काफ़ी समय से फरार था और उस पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर और पुलिस अधीक्षक भिंड द्वारा पांच-पांच हजार का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी द्वारा पूर्व में षड्यंत्रपूर्वक झूठ हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कराया गया था, जिसकी जांच के दौरान वास्तविकता सामने आने पर उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई।

# नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं हरिओम व्यास (Harim Vyas) निवासी D-75 बसंत विहार ग्वालियर म.प्र का नाम हरिश्चंद्र अंकुश्वरी टोल चंभर 11326406 एवं जन्म दिनांक 16/01/1986 में हरिओम व्यास (Harim Vyas) के स्थान पर 'Harim Vyas' दर्ज हो गया है। कृपया उपरोक्त संदर्भ में मेरा नाम Harim Vyas मॉडियाक सचन पर पढ़ा जाए।

# नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं हरिओम व्यास (Harim Vyas) निवासी D-75 बसंत विहार ग्वालियर म.प्र का नाम हरिश्चंद्र अंकुश्वरी टोल चंभर 11326406 एवं जन्म दिनांक 16/01/1986 में हरिओम व्यास (Harim Vyas) के स्थान पर 'Harim Vyas' दर्ज हो गया है। कृपया उपरोक्त संदर्भ में मेरा नाम Harim Vyas मॉडियाक सचन पर पढ़ा जाए।

## संपादकीय

## बातचीत क्यों हुई नाकाम?

किसी भी जटिल अंतरराष्ट्रीय विवाद के समाधान के लिए पहले विश्वास कायम होना आवश्यक है, तभी सार्थक और स्थायी हल संभव हो सकता है। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच हुई बातचीत नाकाम रहने का एक प्रमुख कारण यह था कि दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद गहरे अविश्वास को दूर करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए गए। ईरान और अमेरिका के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं, जिनमें राजनीतिक, सामरिक और वैचारिक मतभेद गहराई से जुड़े हुए हैं। ऐसे में पहले चर्चे के पीछे से कूटनीतिक और छोटे-छोटे समझौते पर आगे बढ़ने की जरूरत थी, लेकिन सीधे औपचारिक वार्ता शुरू कर दी गई और यही कारण था कि लंबी वार्ता के बावजूद संवाद सकारात्मक दिशा में आगे नहीं बढ़ पाया। अंततः वार्ता निष्फल रही। दोनों पक्ष एक-दूसरे की मांगों को लेकर सहमत नहीं हुए और शांति की उम्मीदें क्षीण पड़ गईं।

पाकिस्तान भले ही कूटनीतिक पहल कर अमेरिका और ईरान को वार्ता के लिए एक मंच पर ले आया था, लेकिन उसके पास इतना प्रभाव नहीं है कि वह समझौते के उल्लंघन की स्थिति में किसी पक्ष पर दबाव बना सके। उसकी आंतरिक आर्थिक चुनौतियां और सीमित वैश्विक प्रभाव की वजह से वह एक प्रभावी मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा सकता। मध्य पूर्व को युद्ध के खतरे से बाहर निकालने के लिए संवाद और विश्वास बहाली बहुत आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय तनाव को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक साधन है, पर इसकी सफलता काफी हद तक उस मध्यस्थ देश की शक्ति, विश्वसनीयता और प्रभाव पर निर्भर करती है। केवल वार्ता की मेज पर दोनों पक्षों को बैठा देना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि यह भी आवश्यक है कि मध्यस्थ देश समझौते के क्रियान्वयन का भरोसा दिला सके।

अमेरिका के प्रस्ताव में ईरान से उसके परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने, मिसाइल क्षमता घटाने, होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने, क्षेत्रीय सशस्त्र समूहों को समर्थन बंद करने और चरमबद्ध प्रतिबंधों में ढील स्वीकार करने की बात कही गई थी। ईरान की जमीन पर यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह से रोकने और संबंधित किए गए यूरेनियम को सीपने की मांग प्रमुखता से की गई। इजराइल और अमेरिका को आशंका है कि इस सामग्री का इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में हो सकता है। वहीं, ईरान भविष्य में सैन्य कार्रवाई न करने की गारंटी देने, युद्ध क्षतिपूर्ति का भुगतान करने, सहयोगी समूहों सहित सभी मोर्चों पर शत्रुता समाप्त करने और होर्मुज जलमार्ग पर ईरान की संप्रभुता को मान्यता देने की मांग कर रहा है। अमेरिका के सहयोगी देश ईरान को सामरिक और वैचारिक कारणों से खतरनाक मानते हैं। उन्हें आशंका है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित कर क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बिगाड़ सकता है, वहीं विध्वंसक हथियार अलगाववादी समूहों को सौंप कर सुरक्षा चुनौतियां बढ़ा सकता है। ईरान, इराक, सीरिया और लेबनान में विभिन्न जातीय और क्षेत्रीय समूहों को समर्थन देता है, जिसे अमेरिका और उसके सहयोगी अस्थिरता फैलाने वाला मानते हैं। इससे क्षेत्र में परोक्ष युद्ध और तनाव बढ़ता है। ईरान का इजराइल विरोधी रुख और सऊदी अरब के साथ उसकी प्रतिद्वंद्विता भी चिंता का विषय है। इससे क्षेत्रीय संघर्ष की संभावना बनी रहती है। खाड़ी क्षेत्र में तेल टैंकरों पर हमलों और समुद्री मार्गों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों ने भी ईरान की छवि को जोखिमपूर्ण बनाया है।

ईरान, अमेरिका और इजराइल को अपने प्रमुख विरोधी के रूप में देखता है, जबकि इजराइल को वह एक अवैध देश और अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। ईरान का मानना है कि ये दोनों देश मध्य पूर्व में उसकी शक्ति और प्रभाव को सीमित करना चाहते हैं। इस्लामाबाद में बातचीत विफल होने के बाद एक बार फिर ईरान को लेकर संकट गहरा गया है। यदि अब संघर्ष भीषण रूप लेता है, तो इसके व्यापक क्षेत्रीय और वैश्विक परिणाम हो सकते हैं।

## महिला विधेयक

## का एक और

## महत्वपूर्ण पहलू यह

## है कि इसमें भावी

## पीढ़ियों को प्रेरित

## करने की क्षमता है।

## जब युवा लड़कियां

## महिलाओं को

## अधिकार के पदों पर

## देखती हैं, तो यह

## उनकी आकांक्षाओं को

## नया रूप देता है। यह

## एक स्पष्ट संदेश देता

## है: नेतृत्व को लिंग के

## आधार पर नहीं,

## बल्कि क्षमता,

## दृष्टिकोण और दृढ़

## संकल्प से परिभाषित

## किया जाता है। यह

## मनोवैज्ञानिक बदलाव

## उतना ही महत्वपूर्ण

## है जितना कि विधेयक

## में प्रस्तावित

## संरचनात्मक

## परिवर्तन

## महिला विधेयक: समावेशी नेतृत्व का नया युग

## डॉ विजय गर्ग

महिलाओं का विधेयक केवल एक विधायी सुधार नहीं है। यह समाज में सत्ता को समझने, वितरित करने और प्रयोग करने के तरीके में एक गहन परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है। अपने मूल में, यह विधेयक लंबे समय से चली आ रही संरचनाओं को चुनौती देता है, जिसने ऐतिहासिक रूप से निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को सीमित कर दिया है। अधिक प्रतिनिधित्व और समानता की वकालत करके, यह सत्ता को समावेशी, संतुलित और सम्पूर्ण जनसंख्या का प्रतिनिधि के रूप में पुनः परिभाषित करने का प्रयास करता है। दशकों से, महिलाओं ने परिवारों, समुदायों और अर्थव्यवस्थाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, फिर भी औपचारिक राजनीतिक और संस्थागत स्थानों पर उनकी उपस्थिति असमान रूप से कम रही है। महिला विधेयक इस असंतुलन को दूर करता है, तथा यह सुनिश्चित करता है कि महिलाओं को उचित स्थान मिले। इसमें यह माना गया है कि जब आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कम हो तो सच्चा लोकतंत्र अस्तित्व में नहीं आ सकता। सत्ता को पुनः परिभाषित करने का अर्थ मानसिकता बदलना भी है। परंपरागत रूप से, शक्ति को प्रभुत्व और नियंत्रण के साथ जोड़ा जाता है। गुण अक्सर पुरुषार्थ में ढाले जाते हैं। महिला विधेयक नेतृत्व के बारे में अधिक सहयोगात्मक और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। महिला नेता अक्सर सामाजिक कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामुदायिक विकास पर आधारित दृष्टिकोण लाते हैं। उनका समावेश नीतिगत प्राथमिकताओं को व्यापक बनाता है तथा अधिक समग्र शासन की ओर ले जाता है।

महिला विधेयक का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने की क्षमता है। जब युवा लड़कियां महिलाओं को अधिकार के पदों पर देखती हैं, तो यह उनकी आकांक्षाओं को नया रूप देता है। यह एक स्पष्ट संदेश देता है: नेतृत्व को लिंग के आधार पर नहीं, बल्कि क्षमता, दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प से परिभाषित किया जाता है। यह मनोवैज्ञानिक बदलाव उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि विधेयक में प्रस्तावित संरचनात्मक परिवर्तन। हालांकि, ऐसे कानून की सफलता न केवल उसके पारित होने पर निर्भर करती है बल्कि इसके कार्यान्वयन पर भी निर्भर करती है। सामाजिक बाधाएं, सांस्कृतिक पूर्वाग्रह और संस्थागत प्रतिरोध अभी भी प्रगति में बाधा डाल सकते हैं। इसलिए, कानूनी सुधारों के साथ-साथ, सभी स्तरों पर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, जागरूकता और क्षमता निर्माण में निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

आलोचक कभी-कभी तर्क देते हैं कि आरक्षण या कोटा योग्यता को कमजोर कर देता है। हालांकि, यह दृष्टिकोण उन प्रणालीगत बाधाओं को नजरअंदाज करता है जो ऐतिहासिक रूप से महिलाओं को अवसरों तक पहुंचने से रोकती रही हैं। महिला बिल योग्यता का स्थान नहीं लेता है। यह एक समान खेल का मैदान बनाता है जहां योग्यता वास्तव में चमक सकती है। अंततः, महिला विधेयक सत्ता को विशिष्टता से समावेशीता की ओर पुनः परिभाषित करने के बारे में है। यह इस बात को स्वीकार करने के बारे में है कि विविध आवाजें मजबूत



नेतृत्व को लिंग के आधार पर नहीं, बल्कि क्षमता, दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प से परिभाषित किया जाता है। यह मनोवैज्ञानिक बदलाव उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि विधेयक में प्रस्तावित संरचनात्मक परिवर्तन। हालांकि, ऐसे कानून की सफलता न केवल उसके पारित होने पर निर्भर करती है बल्कि इसके कार्यान्वयन पर भी निर्भर करती है। सामाजिक बाधाएं, सांस्कृतिक पूर्वाग्रह और संस्थागत प्रतिरोध अभी भी प्रगति में बाधा डाल सकते हैं। इसलिए, कानूनी सुधारों के साथ-साथ, सभी स्तरों पर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, जागरूकता और क्षमता निर्माण में निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

उप-आरक्षण: अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) से महिलाओं के लिए कोटा के भीतर एक कोटा शामिल है। सनसेट क्लॉज: आरक्षण को शुरू में 15 वर्षों के लिए निर्धारित किया गया है, जिससे इसकी प्रभावशीलता की समय-समय पर समीक्षा की जा सकेगी और यह आशा जताई जा सकती है कि लैंगिक समानता अंततः आत्मनिर्भर हो जाएगी।

रोटेशनल नीति: प्रत्येक सीमांकन अत्यास के बाद आरक्षित सीटों को घुमाया जाएगा ताकि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। यह शक्ति को पुनः परिभाषित क्यों करता है राजनीतिक विश्लेषकों

और नेताओं का तर्क है कि यह विधेयक तीन अलग-अलग तरीकों से 'सत्ता के व्याकरण' को बदलता है। 1। 'प्रॉक्सिमी' से लेकर 'प्रिंसिपल' तक अतीत में स्थानीय पंचायत स्तर पर महिलाओं के आरक्षण के आलोचक 'सरपंच पाटी' घटना की ओर इशारा करते थे (जहां पति अपनी चुनी हुई पत्नियों के माध्यम से शासन करते हैं)। हालांकि, 2023 अधिनियम उच्च विधायी निकायों को लक्षित करता है, जहां मीडिया की जांच और नीति निर्माण को बढ़ावा देता है। यह नेतृत्व की मांग करती है। यह राजनीतिक दलों को महिलाओं का एक नेतृत्व पाइपलाइन बनाने के लिए मजबूर करता है, जो कानून पर बहस कर सकें, बजट प्रबंधित कर सकें और मंत्रालयों का नेतृत्व कर सकें।

2। विधायी एजेंडा बदलना वैश्विक अध्ययनों से पता चलता है कि नेतृत्व में महिलाएं अक्सर पारंपरिक 'कठिन' बुनियादी ढांचे की तुलना में 'सामाजिक बुनियादी ढांचे', स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और पेयजल को प्राथमिकता देती हैं। 33% के महत्वपूर्ण आंकड़े तक पहुंचकर, महिलाएं मौन अल्पसंख्यक होने से एक मतदान समूह में बदल सकती हैं, जो राष्ट्रीय एजेंडे को अधिक समावेशी, कल्याण-उन्मुख नीतियों की ओर मोड़ सकता है।

यह शक्ति को पुनः परिभाषित क्यों करता है राजनीतिक विश्लेषकों

यह शक्ति को पुनः परिभाषित क्यों करता है राजनीतिक विश्लेषकों

3। राजनीतिक संस्कृति में बदलाव यह विधेयक राजनीतिक दल की संरचनाओं के 'पुराने लड़कों के क्लब' स्वरूप को चुनौती देता है। चूंकि 33% सीटें महिलाओं द्वारा भरी जानी चाहिए, इसलिए पार्टियां अब यह तर्क नहीं दे सकती कि उन्हें 'जीत पाने योग्य' महिला उम्मीदवार नहीं मिल सकते। यह लिंग को राजनीतिक रणनीति के केंद्रीय स्तंभ के रूप में संस्थागत बनाता है, न कि एक बाद की बात के रूप में। कार्यान्वयन का मार्ग हालांकि यह विधेयक एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, लेकिन सत्ता पर इसका वास्तविक प्रभाव दो 'ट्रिगर्स' पर निर्भर करता है

जनगणना: आरक्षण विधेयक पारित होने के बाद पहली जनगणना के बाद ही प्रभावी होगा।

सीमांकन: जनगणना के बाद, सीटों को आधिकारिक तौर पर आरक्षित करने से पहले एक सीमा निर्धारण अध्यास (निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं का पुनः चित्रण) किया जाना चाहिए।

'यह केवल प्रतिनिधित्व के बारे में नहीं है; यह सत्ता को पुनः परिभाषित करने के बारे में है। भारत सिर्फ एक ऐतिहासिक अन्याय को सही नहीं कर रहा है, बल्कि अपने लोकतांत्रिक वादे का चक्र पूरा कर रहा है। वर्तमान स्थिति (2026 संदर्भ) 2026 की शुरुआत तक, विधेयक पारित होने से हटकर जनगणना और सीमा निर्धारण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अब बहस इस बात पर केंद्रित है कि 'शक्ति को पुनः परिभाषित करने' में विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि महिलाएं भी शामिल हों, जिसमें ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) उप-कोटा की मांग भी शामिल है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नई शक्ति संरचना यथासंभव प्रतिनिधि हो

शक्ति को पुनः परिभाषित करते हुए, हम इसे किसी से नहीं छीन रहे हैं। हम इसे सही को शामिल करने के लिए सुनिश्चित कर रहे हैं। डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्टूट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

## एक व्यक्ति की निजी जरूरत से शुरू हुई कहानी, जो पूरे समाज के काम आ गई

कभी-कभी ऐसा भी होता है कि हम अपना स्वार्थ पूरा करना चाहते हैं और उसी से परमार्थ ही हो जाता है। बस शर्त इतनी है कि उस स्वार्थ का हेतु स्वयं के लिए कुछ पाने का भाव होना चाहिए, न कि किसी अन्य से कुछ छीनने का भाव। ऐसा करने पर अनजाने में ही हम किसी और का भी भला कर जाते हैं। स्वार्थ और परमार्थ- ये दोनों शब्द हमारे सामाजिक-नैतिक विमर्श में प्रायः आमने-सामने खड़े कर दिए जाते हैं।

स्वार्थ को संकीर्ण, आत्मकेंद्रित और नकारात्मक माना जाता है, जबकि परमार्थ को त्याग, उदारता और उच्च नैतिकता का पर्याय समझा जाता है। यही कारण है कि स्वार्थ का उच्चारण करते ही संदेह की छाया

गहराने लगती है और परमार्थ का उल्लेख होते ही आदर्शवाद का आभामंडल बन जाता है। मगर जीवन का यथार्थ इन दोनों के बीच इतनी सरल और कठोर रेखा खींचने की अनुमति नहीं देता। दरअसल, प्रश्न यह नहीं है कि स्वार्थ अच्छा है या बुरा, प्रश्न यह है कि स्वार्थ का स्वरूप क्या है। अगर स्वार्थ को अर्थ केवल इतना हो कि मैं अपने लिए कुछ करूँ, अपने जीवन को बेहतर बनाऊँ, अपनी जरूरतों और आकांक्षाओं की पूर्ति करूँ, तो इसमें कोई अनैतिकता नहीं है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब यह स्वार्थ दूसरों के हिस्से का अधिकार छीनने लगे, संसाधनों पर एकाधिकार जमाने लगे या किसी और के जीवन को संकुचित कर दे। इस

बिंदु पर स्वार्थ विकृत हो जाता है। पर जब स्वार्थ छीनने की नहीं, बल्कि सृजन करने की प्रक्रिया बन जाता है, तब वह अनायास ही परमार्थ का रूप धारण कर लेता है।

रूपांतरण स्वाभाविक, सहज और लगभग अदृश्य होता है, यह रूपांतरण किसी घोषणा, संकल्प या प्रचार के माध्यम से नहीं होता, यह स्वाभाविक, सहज और लगभग अदृश्य होता है। शासकीय सेवा से अवकाश ग्रहण करने के बाद एक व्यक्ति अपने गृह नगर के एक फार्महाउस में रहने चले गए। वहां एक पुराना कुआं था, पक्का और गहरा, लेकिन लगभग सूखा। केवल वर्षा के दिनों में उसमें थोड़ा-बहुत पानी इकट्ठा हो पाता, जो कुछ ही समय में समाप्त

भी हो जाता। प्रकृति प्रेम के साथ बागवानी उनका शौक था और हरियाली उनके लिए जीवन की आवश्यकता। मगर जल के अभाव में पेड़-पौधे मुरझाने लगे। चिंता स्वाभाविक थी। उसी चिंता से एक विचार ने जन्म लिया कि अगर छत पर गिरने वाले वर्षा जल को व्यवस्थित रूप से कूप में पकड़ा दिया जाए, तो शायद स्थिति बदल सके। उद्देश्य न तो पर्यावरण आंदोलन था, न सामाजिक सेवा का कोई बड़ा संकल्प। केवल इतना था कि अपने पेड़-पौधों को पानी मिल जाए। छत से पानी के संग्रहण की व्यवस्था की गई। परिणाम धीरे-धीरे सामने आने लगे। कुआं वर्ष भर पानी से भरा रहने लगा। हरियाली लौट आई। पक्षी आने लगे।

फार्महाउस जीवन के सुरमई संगीत से भर उठा। इस निजी समाधान की गुंज यहीं तक सीमित नहीं रही। आसपास के घरों को बताने भी फिर से पानी से भरने लगे। भूजल स्तर सुधरा। जिन पड़ोसियों ने कभी इस प्रयास को केवल एक निजी व्यवस्था समझा था, वे अनजाने ही उसके लाभार्थी बन गए। फल-फूल केवल फार्महाउस तक सीमित नहीं रहे, पड़ोसी, रिश्तेदार और पशु-पक्षी भी उसमें सहभागी हो गए। स्वार्थ अब परमार्थ में बदल चुका था, बिना किसी उद्घोषणा के।

हमारे आसपास ऐसे अनेक प्रसंग बिखरे पड़े होंगे, जिनमें हम अक्सर सामान्य मानकर अनदेखा कर देते हैं। कोई व्यक्ति अपने घर की सुरक्षा के लिए कुछ इंतजाम करता है, तो उससे

आसपास का इलाका भी सुरक्षित हो जाता है। उद्देश्य निजी सुरक्षा होती है, परिणाम सामूहिक सुरक्षा। इसी प्रकार, कोई बुजुर्ग दंपति अपने घर के बाहर बैठने के लिए एक शेड और बेंच लगावते हैं, ताकि शाम की सैर के बाद विश्राम मिल सके। धीरे-धीरे वही स्थान राहगीरों, बच्चों और थके-माँदे मजदूरों का आश्रय बन जाता है। किसी ने परमार्थ का संकल्प नहीं लिया था, पर परमार्थ घटित हो गया।

इसी तरह, एक सेवानिवृत्त शिक्षक केवल अपनी मानसिक सक्रियता बनाए रखने के लिए आस-पड़ोस के बच्चों को पढ़ाने लगाता है। कुछ ही समय में वह पूरे मोहल्ले के लिए आशा का केंद्र बन जाता है। परीक्षा परिणाम सुधरते हैं, आत्मविश्वास

बढ़ता है और एक पीढ़ी को दिशा मिलती है। यहाँ भी स्वार्थ और परमार्थ के बीच की रेखा धुंधली पड़ जाती है। जाहिर है, परमार्थ कोई अलग से ओढ़ी जाने वाली नैतिक चादर नहीं है। वह उसी कर्म से जन्म लेता है, जो संवेदशील स्वार्थ से प्रेरित होता है। जब व्यक्ति अपने हित की पूर्ति इस प्रकार करता है कि उसमें प्रकृति, समाज और अन्य मनुष्यों के अस्तित्व के लिए स्थान बचा रहे, तब उसका कर्म सीमाओं को तोड़ देता है। दरअसल, समाज को समस्या स्वार्थ से नहीं, संकीर्ण स्वार्थ से है। व्यापक स्वार्थ वह है जो समझता है कि मेरा हित दूसरों के हित से अलग होकर स्थायी नहीं रह सकता।

स्वच्छ वातावरण, सुरक्षित

मोहल्ला, शिक्षित समाज, संतुलित प्रकृति, ये सभी आखिर व्यक्तिगत जीवन को ही बेहतर बनाते हैं। इस दृष्टि से देखा जाए, तो परमार्थ दरअसल स्वार्थ का ही एक विस्तारित रूप है। शायद जीवन हमें यह नहीं सिखाता कि स्वार्थ का त्याग करो, बल्कि यह सिखाता है कि स्वार्थ को इतना संकुचित मत बनाओ कि उसमें परमार्थ के लिए स्थान ही न बचे। जब स्वार्थ में विवेक, करुणा और साझेदारी का भाव जुड़ जाता है, तब वह अकेले का लाल नहीं रह जाता, वह सामूहिक कल्याण में परिवर्तित हो जाता है। यही स्वार्थ का सबसे सुंदर और सार्थक रूप है, जो बिना नाम लिए, बिना श्रेय मांगे, परमार्थ बन जाता है।

मोहल्ला, शिक्षित समाज, संतुलित प्रकृति, ये सभी आखिर व्यक्तिगत जीवन को ही बेहतर बनाते हैं। इस दृष्टि से देखा जाए, तो परमार्थ दरअसल स्वार्थ का ही एक विस्तारित रूप है। शायद जीवन हमें यह नहीं सिखाता कि स्वार्थ का त्याग करो, बल्कि यह सिखाता है कि स्वार्थ को इतना संकुचित मत बनाओ कि उसमें परमार्थ के लिए स्थान ही न बचे। जब स्वार्थ में विवेक, करुणा और साझेदारी का भाव जुड़ जाता है, तब वह अकेले का लाल नहीं रह जाता, वह सामूहिक कल्याण में परिवर्तित हो जाता है। यही स्वार्थ का सबसे सुंदर और सार्थक रूप है, जो बिना नाम लिए, बिना श्रेय मांगे, परमार्थ बन जाता है।

मोहल्ला, शिक्षित समाज, संतुलित प्रकृति, ये सभी आखिर व्यक्तिगत जीवन को ही बेहतर बनाते हैं। इस दृष्टि से देखा जाए, तो परमार्थ दरअसल स्वार्थ का ही एक विस्तारित रूप है। शायद जीवन हमें यह नहीं सिखाता कि स्वार्थ का त्याग करो, बल्कि यह सिखाता है कि स्वार्थ को इतना संकुचित मत बनाओ कि उसमें परमार्थ के लिए स्थान ही न बचे। जब स्वार्थ में विवेक, करुणा और साझेदारी का भाव जुड़ जाता है, तब वह अकेले का लाल नहीं रह जाता, वह सामूहिक कल्याण में परिवर्तित हो जाता है। यही स्वार्थ का सबसे सुंदर और सार्थक रूप है, जो बिना नाम लिए, बिना श्रेय मांगे, परमार्थ बन जाता है।

## मंडी जिले के

## सरकाघाट में सोमवार

## को मानवीय संवेदनाओं

## को झकझोर देने वाली

## घटना सामने आई है।

## कालेज जा रही एक

## छात्रा की दिन-दहाड़े

## गला रेत कर हत्या कर

## दी गई और हमलावर

## मौके से फटार हो

## गया। खबरों के

## मुताबिक, आरोपी

## वारदात के वक्त नशे

## की हालत में था

## शांत हिमाचल में बढ़ती अपराध की छाया नशा, हिंसा और कानून पर उठते सवाल

हिमाचल प्रदेश को शांतिप्रिय राज्य माना जाता रहा है। मगर पिछले कुछ वर्षों से यहाँ अपराध और नशीले पदार्थों का जाल जिस तरह से फैल रहा है, वह गंभीर चिंता का विषय है। खासकर महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएँ बढ़ रही हैं, जिससे राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। युवाओं में नशाखोरी की बढ़ती लत इस समस्या को और गहरा कर रही है।

मंडी जिले के सरकाघाट में सोमवार को मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। कालेज जा रही एक छात्रा की दिन-दहाड़े गला रेत कर हत्या कर दी गई और हमलावर मौके से फटार हो गया। खबरों के मुताबिक, आरोपी वारदात के वक्त नशे की हालत में था, जिससे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सवाल है कि आखिर समाज में कानून का खौफ और मानवीय मूल्य क्यों खत्म होते जा रहे हैं? जाहिर है कि इसके पीछे सुरक्षा एजेंसियों का दुर्गम लक्ष्य रवैया और लापरवाही भी जिम्मेदार है।

गौतमलाल है कि हिमाचल प्रदेश में



महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इससे पहले हमीरपुर जिले में भी पिछले साल नवंबर में ऐसी ही एक घटना सामने आई थी। नशे की हालत में एक किशोर ने खेत में काम कर रही महिला पर दराती से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। कुछ दिन बाद अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। सरकाघाट में हुई वारदात के पीछे क्या कारण थे, इसका पता तो जांच के बाद ही चल पाएगा, लेकिन पुलिस को आशंका है कि इसके पीछे साजिश हो सकती है।

सवाल है कि अगर आरोपी को इस कदर नशे की लत थी, तो उसके परिवार या आस-पड़ोस के लोगों ने समय रहते इस संबंध में पुलिस या किसी अन्य संस्था को सूचना क्यों नहीं दी? इसमें दोषार्थ नहीं कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए न केवल कानूनी, बल्कि सामाजिक मोर्चे पर भी काम करने की जरूरत है। पुलिस की भी जिम्मेदारी है कि अपराध का कारण बन रहे नशीले पदार्थों के अवैध कारोबारियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाए।

## जब आय के

## साधन सीमित हों, तो

## आम आदमी की यही

## अपेक्षा होती है कि

## जरूरी वस्तुओं के

## दाम उसकी पहुंच में

## हों, ताकि परिवार के

## भरण-पोषण का

## संकट पैदा न

## होगमगर हाल के

## वर्षों में आमदनी उस

## स्तर पर नहीं बढ़ी

## है, जितनी तेजी से

## वस्तुओं की कीमतों

## में बढ़ोतरी हुई है।

## सरकार की ओर से

## सोमवार को जारी

## आंकड़ों के मुताबिक,

## खुदरा महंगाई मार्च

## में बढ़कर 3.4

## फीसद हो गई

## महंगाई काबू में या नियंत्रण से बाहर? बढ़ते दामों के बीच आम आदमी की जेब पर दोहरी मार

यह विचित्र बात है कि एक ओर सरकार महंगाई को नियंत्रण में रखने का दावा करती है, तो दूसरी ओर आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसका सीधा असर आम आदमी पर स्वभाविक है। फल-फूल केवल फार्महाउस तक सीमित नहीं रहे, पड़ोसी, रिश्तेदार और पशु-पक्षी भी उसमें सहभागी हो गए। स्वार्थ अब परमार्थ में बदल चुका था, बिना किसी उद्घोषणा के। हमारे आसपास ऐसे अनेक प्रसंग बिखरे पड़े होंगे, जिनमें हम अक्सर सामान्य मानकर अनदेखा कर देते हैं। कोई व्यक्ति अपने घर की सुरक्षा के लिए कुछ इंतजाम करता है, तो उससे

आसपास का इलाका भी सुरक्षित हो जाता है। उद्देश्य निजी सुरक्षा होती है, परिणाम सामूहिक सुरक्षा। इसी प्रकार, कोई बुजुर्ग दंपति अपने घर के बाहर बैठने के लिए एक शेड और बेंच लगावते हैं, ताकि शाम की सैर के बाद विश्राम मिल सके। धीरे-धीरे वही स्थान राहगीरों, बच्चों और थके-माँदे मजदूरों का आश्रय बन जाता है। किसी ने परमार्थ का संकल्प नहीं लिया था, पर परमार्थ घटित हो गया। इसी तरह, एक सेवानिवृत्त शिक्षक केवल अपनी मानसिक सक्रियता बनाए रखने के लिए आस-पड़ोस के बच्चों को पढ़ाने लगाता है। कुछ ही समय में वह पूरे मोहल्ले के लिए आशा का केंद्र बन जाता है। परीक्षा परिणाम सुधरते हैं, आत्मविश्वास

बढ़ता है और एक पीढ़ी को दिशा मिलती है। यहाँ भी स्वार्थ और परमार्थ के बीच की रेखा धुंधली पड़ जाती है। जाहिर है, परमार्थ कोई अलग से ओढ़ी जाने वाली नैतिक चादर नहीं है। वह उसी कर्म से जन्म लेता है, जो संवेदशील स्वार्थ से प्रेरित होता है। जब व्यक्ति अपने हित की पूर्ति इस प्रकार करता है कि उसमें प्रकृति, समाज और अन्य मनुष्यों के अस्तित्व के लिए स्थान बचा रहे, तब उसका कर्म सीमाओं को तोड़ देता है। दरअसल, समाज को समस्या स्वार्थ से नहीं, संकीर्ण स्वार्थ से है। व्यापक स्वार्थ वह है जो समझता है कि मेरा हित दूसरों के हित से अलग होकर स्थायी नहीं रह सकता।

स्वच्छ वातावरण, सुरक्षित

मोहल्ला, शिक्षित समाज, संतुलित प्रकृति, ये सभी आखिर व्यक्तिगत जीवन को ही बेहतर बनाते हैं। इस दृष्टि से देखा जाए, तो परमार्थ दरअसल स्वार्थ का ही एक विस्तारित रूप है। शायद जीवन हमें यह नहीं सिखाता कि स्वार्थ का त्याग करो, बल्कि यह सिखाता है कि स्वार्थ को इतना संकुचित मत बनाओ कि उसमें परमार्थ के लिए स्थान ही न बचे। जब स्वार्थ में विवेक, करुणा और साझेदारी का भाव जुड़ जाता है, तब वह अकेले का लाल नहीं रह जाता, वह सामूहिक कल्याण में परिवर्तित हो जाता है। यही स्वार्थ का सबसे सुंदर और सार्थक रूप है, जो बिना नाम लिए, बिना श्रेय मांगे, परमार्थ बन जाता है।

मोहल्ला, शिक्षित समाज, संतुलित प्रकृति, ये सभी आखिर व्यक्तिगत जीवन को ही बेहतर बनाते हैं। इस दृष्टि से देखा जाए



## अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुर्माना चेन्नई के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते कार्रवाई

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 22वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर स्लोओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया गया है।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मैच के दौरान कोलकाता की टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाई थी। आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के कारण बीसीसीआइ ने कप्तान पर यह एक्शन लिया है।

केकेआर का सीजन का यह पहला स्लोओवर रेट है

मैच के बाद जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह कोलकाता नाइट राइडर्स का इस सीजन का पहला अपराध था।

नियमों के अनुसार, सीजन की पहली गलती होने के कारण कप्तान अजिंक्य रहाणे पर केवल 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर छोड़ दिया



गया। अगर टीम दोबारा ऐसी गलती जाएगी और टीम के अन्य खिलाड़ियों करती है, तो जुर्माने की रकम बढ़ेगी और टीम के अन्य खिलाड़ियों पर भी मैच फीस का जुर्माना लगा

सकता है।

क्या है स्लो ओवर रेट का नियम?

आईपीएल के नियमों के अनुसार, हर टीम को 20 ओवर फेंकने के लिए एक निश्चित समय (डेढ़ घंटा या 90 मिनट, जिसमें रणनीतिक ब्रेक शामिल हैं) दिया जाता है। अगर पारी खत्म होने तक टीम निर्धारित समय से पीछे रहती है, तो इसे 'स्लो ओवर रेट' माना जाता है। फील्ड पर मौजूद अंपायर और मैच रेफरी इसकी मॉनिटरिंग करते हैं। कप्तान की जिम्मेदारी होती है कि वह खेल की रफ्तार बनाए रखे।

अगली गलती पर लग सकता है बैन

आईपीएल नियमों के मुताबिक, अगर रहाणे की टीम सीजन में दूसरी बार स्लो ओवर रेट की गलती करती है, तो कप्तान पर 24 लाख रुपये और टीम के बाकी सदस्यों पर मैच फीस का 25% या 6 लाख रुपये (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया जाएगा।

## बार्सिलोना चैंपियंस लीग से बाहर हुई, एटलेटिको मैड्रिड ने 3-2 के एग्जीगेट स्कोर से हराया

नई दिल्ली। चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल के दूसरे लेग में बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को 2-1 से हराया, लेकिन कुल स्कोर 3-2 रहने से टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पहले लेग में एटलेटिको ने 2-0 की जीत हासिल की थी, जो आखिर में निर्णायक साबित हुई। इस जीत की बदौलत वह एग्जीगेट स्कोर पर 3-2 से आगे रही।

एटलेटिको मैड्रिड 2017 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। अब अगले दौर में उनका मुकाबला आर्सेनल या स्पॉर्टिंग लिस्बन में से किसी एक से होगा।

शुरुआती 24 मिनट में बार्सिलोना ने बनाए दो गोल

मैच के शुरुआती 24 मिनटों में ही बार्सिलोना ने दो गोल कर बढ़त बना ली थी। चौथे मिनट में ही युवा खिलाड़ी लेमिन यमल ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। उन्होंने एटलेटिको के डिफेंडर क्लेमेंट लेंगलेट को गलती



का फायदा उठाया। इसके बाद 24वें मिनट में फेरान टोरिस ने दानी ओल्मो के पास पर गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। एक समय ऐसा लग रहा था कि

बार्सिलोना आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, लेकिन एटलेटिको मैड्रिड ने हार नहीं मानी और मैच में वापसी की।

एडमोला लुकमैन का गोल टर्निंग पॉइंट बना

मैच का सबसे अहम मोड़ 31वें मिनट में आया। मार्कोस लोरेटे के पास पर एडमोला लुकमैन ने एटलेटिको के लिए गोल किया। यह गोल एग्जीगेट स्कोर के लिहाज से निर्णायक साबित हुआ।

दूसरे हाफ में मौके, लेकिन फिक्सत नहीं

दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने एक और गोल किया, लेकिन फेरान टोरिस का यह गोल ऑफसाइड करार दे दिया गया। गोलकीपर जॉन गार्सिया ने भी एक अहम बचाव किया। मैच के दौरान गावी और माटेओ रीगएरी के बीच टक्कर में रीगएरी को चोट लगी और खेल कुछ देर रुका।

## हार्दिक पांड्या ने सुनील छेत्री को भेंट की एमआई की जर्सी, ट्रेनिंग कैंप में पहुंचे थे फुटबॉलर

मुंबई। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री मशहूर वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) के ट्रेनिंग सेशन के दौरान पहुंचे थे। इस दौरान एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने छेत्री को एमआई की जर्सी भेंट की। ट्रेनिंग सेशन के दौरान पहुंचे सुनील छेत्री से एमआई के कई खिलाड़ी बात करते हुए नजर आए। छेत्री ने महिला जयवर्धन, शार्दूल ठाकुर, दीपक चाहर और कप्तान हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों से बातचीत की और अपने शानदार करियर के अनुभव शेयर किए। छेत्री ने एमआई के एक टीवी वीडियो में कहा, 'मैं स्टेडियम में बहुत बार नहीं गया हूँ, लेकिन जब भी आया हूँ, तो यह एक अद्भुत पहिनासा है। यहाँ आकर खेल को अलग तरह से देखना बहुत अच्छा है। मैं मुंबई इंडियंस और



फैस को न केवल इस मैच के लिए बल्कि पूरे टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।' एमआई के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत शानदार रही थी। टीम ने 2012 के बाद किसी भी सीजन का पहला मैच इस बार जीता, लेकिन उसके बाद से टीम ने एक भी मैच नहीं जीता है। एमआई 4 मैचों में 3 हार के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर

है।

टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए अपने आखिरी मैच में 18 रन से हार का सामना करना पड़ा था। एमआई के पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा इस मैच में इंडर्ड होकर रिटायर हट हुए थे। एमआई की तरफ से उस मैच में शरफेन रदरफोर्ड ने शानदार पारी खेली थी और 31 गेंदों पर 9 छक्कों की मदद से 71 रन बनाए थे। हालांकि, रदरफोर्ड अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके थे।

मुंबई इंडियंस का अगला मुकाबला गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ है। एमआई के लिए इस मैच में जीत बेहद जरूरी है, जो पंजाब किंग्स के फॉर्म को देखते हुए बिल्कुल भी आसान नहीं लगता है।

## शराब पीकर गाड़ी चलाने का आरोप, वॉर्नर की सिडनी थंडर कप्तानी पर संकट

नई दिल्ली। सिडनी में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप के बाद अनुभवी ओपनर डेविड वॉर्नर का सिडनी थंडर के कप्तान के तौर पर भविष्य सवाल के बारे में आ गया है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे कामयाब बल्लेबाजों में से एक वॉर्नर को इंटरस्टेड के दिन शहर के पूर्वी उपनगरों में रोका गया था। आरोप है कि उस समय उनके खून में अल्कोहल का स्तर 0.104 पाया गया, जो कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा है। वॉर्नर को आगे की जांच के लिए मारुआ पुलिस स्टेशन ले जाया गया, उन्हें 7 मई को डार्जनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होना है। वॉर्नर सिडनी थंडर टीम में एक अहम लीडशिप की भूमिका में हैं। यह संस्था लंबे समय से सड़क सुरक्षा से जुड़ी पहलों में सक्रिय रही है। ऐसे में इस घटनाक्रम ने क्रिकेट



एनएसडब्ल्यू को एक मुश्किल स्थिति में डाल दिया है। क्रिकेट एनएसडब्ल्यू के मुख्य कार्यकारी ली जर्मन ने मामले की गंभीरता को स्वीकार किया है। हालांकि, कानूनी कार्रवाई जारी होने के कारण उन्होंने इस पर विस्तार से

टिप्पणी करने से परहेज किया। 39 वर्षीय बल्लेबाज ने साल 2024 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

'द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन' अखबार के अनुसार, ली जर्मन ने कहा, 'मैं इस घटना के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि यह मामला कानूनी दायरे में आता है। बेशक, ये आरोप चिंताजनक हैं और हम इन्हें बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। क्रिकेट एनएसडब्ल्यू में, हम सुरक्षित प्रैक्टिस के प्रबल समर्थक हैं, न कि शराब पीकर गाड़ी चलाने के। हम इस मामले में अपने खिलाड़ियों को काफी जागरूक करते हैं। हम इस पूरी प्रक्रिया में डेविड का साथ देंगे, यह जानते हुए कि उन पर एक कोर्ट केस चल रहा है, लेकिन साथ ही हम इस बेहद अहम मुद्दे पर अपने खिलाड़ियों को और भी ज्यादा जागरूक करने की कोशिश

करेंगे। क्रिकेट एनएसडब्ल्यू और थंडर टीम सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। इसमें ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ उनका सालाना मैच भी शामिल है, जिसे 'रोड सेफ्टी कप' के नाम से जाना जाता है। यह सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर चलाया जाने वाला एक अहम अभियान है। जैसे-जैसे कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, वॉर्नर का नेतृत्व वाला पद अभी भी अनिश्चित बना हुआ है। उम्मीद है कि क्रिकेट एनएसडब्ल्यू आने वाले हफ्तों में इस मामले का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करेगा। जर्मन ने कहा, 'यह बात ध्यान में रखे कि फिलहाल ये सिर्फ आरोप हैं। सिडनी थंडर की कप्तानी के मामले पर उचित समय आने पर फैसला लिया जाएगा।'

### व्यापार

## भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बातचीत फिर शुरू होगी

### भारतीय डेलिगेशन अगले हफ्ते वॉशिंगटन खाना होगा

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच रुकी अंतरिम ट्रेड डील पर बातचीत फिर शुरू होगी। केंद्र सरकार का हाई-लेवल डेलिगेशन अगले हफ्ते वॉशिंगटन जाएगा। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका में टैरिफ नियमों और अदालती फैसलों से व्यापारिक समीकरण बदल गए हैं। पीटीआई के अनुसार, बुधवार को सरकारी सूत्रों ने डेलिगेशन की यात्रा की पुष्टि की। पहले मार्च में समझौते पर हस्ताक्षर की उम्मीद थी, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप शासन के टैरिफ और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने स्थिति कठिन बना दी है।

मार्च में होने वाला था समझौता दोनों देशों ने फरवरी में समझौते के



पहले चरण की रूपरेखा तैयार की थी। इस फ्रेमवर्क में अमेरिकी भारतीय

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के कुछ पुराने टैरिफ नियम रद्द कर दिए। फैसले के बाद अमेरिकी प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों के आयात पर 10% टैरिफ लागू किया है। स्पष्टता की कमी से पिछले महीने की बैठक टाल दी गई थी।

भारत का रिलेटिव एडवांटेज कम हुआ

फरवरी में फ्रेमवर्क बनने पर भारत को अन्य देशों से बेहतर स्थिति मिल रही थी। ऊंचे टैरिफ के बीच 18% की दर भारत के लिए फायदेमंद थी।

लेकिन अब अमेरिका ने सभी देशों पर 10% फ्लैट टैरिफ लागू किया है। इससे भारत का खास फायदा कम हुआ है, क्योंकि सभी को समान दर मिल रही है।

## भारत की इकोनॉमी में गिरावट, 6वें नंबर पर आया, वजह- डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट

नई दिल्ली। भारत की इकोनॉमी दुनिया की रैंकिंग में 5वें नंबर से गिरकर 6वें नंबर पर आ गई है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के अनुसार अब ब्रिटेन एक बार फिर भारत से आगे निकल गया है। भारत की जीडीपी में ये गिरावट डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से आई है। इस साल की शुरुआत में डॉलर के मुकाबले रुपया 89.91 पर था जो अब 93.38 रुपए पर आ गया है। भारत की जीडीपी 2025 में 3.92 ट्रिलियन डॉलर और 2026 में 4.15 ट्रिलियन डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, ब्रिटेन की लक्ष्य 2025 में 4 ट्रिलियन डॉलर और 2026 में 4.26 ट्रिलियन डॉलर रहने की उम्मीद है।



रैंकिंग में गिरावट की 2 मुख्य वजहें... भारत की ग्लोबल रैंकिंग में इस बदलाव के पीछे 2 बड़े कारण माने जा

रहे हैं... बेस इंधर में बदलाव: सरकार ने जीडीपी के बेस इंधर को 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है।

इस बदलाव और एन पेटेंट की वजह से इकोनॉमी के साइज में 2.8% से 3.8% तक की कमी आई है।

रुपए की कमजोरी: डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में आई गिरावट ने भी असर डाला है। जिससे डॉलर में आंकी जाने वाली लक्ष्यकम हो गई। इसके उलट ब्रिटिश पाउंड मजबूत हुआ है, जिससे उनकी इकोनॉमी की वैल्यू बढ़ गई है।

2027 में बनेगा चौथी बड़ी इकोनॉमी, जापान को छोड़ेंगे पीछे यह गिरावट केवल अस्थायी साबित हो सकती है। आईएमएफ का अनुमान है कि भारत 2027 तक एक लंबी छलांग लगाएगा और जापान-ब्रिटेन दोनों को पछड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन जाएगा।

## अक्षय तृतीया से पहले सर्राफा बाजार में तेजी चांदी 11800 चढ़ी, सोना 1.58 लाख रुपये पार

नई दिल्ली। आगामी 19 अप्रैल को मनाए जाने वाले शुभ पर्व अक्षय तृतीया से ठीक पहले भारतीय सर्राफा बाजार रौनक दिखाई। आभूषण निर्माताओं और स्टॉकिस्टों की ओर से हो रही मजबूत खरीदारी के दम पर बुधवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया। अक्षय तृतीया की कीमतों धातुएं खरीदने के लिए सबसे शुभ दिनों में से एक माना जाता है।

चांदी और सोने की कीमतों में ऐतिहासिक वृद्धि

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के आंकड़ों के अनुसार, सफेद धातु यानी चांदी की कीमतों में 11,800 रुपये प्रति किलोग्राम का बड़ा उछाल आया है। 4.81 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ चांदी सोमवार के 2,45,200 रुपये के बंद स्तर मजबूत होकर अब 2,57,000 रुपये प्रति किलोग्राम



(सभी करों सहित) के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। मंगलवार को आधिकारिक छुट्टी के कारण सर्राफा बाजार में कारोबार बंद था। चांदी की तरह ही पीली धातु में भी तेजी का रख कायम है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में लगभग 2 प्रतिशत या 3,000 रुपये की जोरदार बढ़त दर्ज की गई। इस वृद्धि के बाद सोने का भाव 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया है, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,55,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर टिका हुआ था। बाजार के जानकारों और व्यापारियों का स्पष्ट रूप से मानना है कि कीमतों में आई यह भारी तेजी त्योहार से पहले खुदरा मांग के मजबूत रहने की उम्मीदों का ही परिणाम है।

बदलते दौर में उपभोक्ताओं

की नई पसंद

शुभार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक चेतन ठक्कर ने बताया कि अपनी परंपरा और सोने के स्थायी मूल्य के कारण आभूषण उद्योग के लिए अक्षय तृतीया हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल के दिनों में सोने की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया, लेकिन इसके बावजूद आभूषण खरीदने को लेकर उपभोक्ताओं का इरादा मजबूत बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरावट और भू-राजनीतिक कारण

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमती धातुओं का कारोबार गिरावट के साथ हुआ। वैश्विक बाजार में हाजिर सोना 45.88 अमेरिकी डॉलर या लगभग 1 प्रतिशत फिसलकर 4,795.97 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया।

नई दिल्ली। मार्च में थोक महंगाई बढ़कर 3.88% पर पहुंच गई है। फरवरी के यह 2.13% पर थी। यानी इसमें एक महीने के अंदर 1.75% की बढ़ोतरी हुई है। थोक महंगाई ने 38 महीने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। जनवरी 2023 में थोक महंगाई 4.73% पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 15 अप्रैल को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें महंगी हुईं रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 3.27% से बढ़कर 6.36% हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई में कोई बदलाव नहीं है, ये 1.85% पर बनी हुई है। फ्यूअल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 3.78% से बढ़कर



1.05% हो गई है। मैनुफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.92% से बढ़कर 3.39% रही। होलसेल महंगाई के 4 हिस्से प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूअल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैनुफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी

चार हिस्से हैं। फूड आर्टिकल्स जैसे अनाज, गेहूं, सब्जियां नॉन फूड आर्टिकल में ऑयल सीड आते हैं मिनरल्स क्यूड प्रेटोलियम

मार्च में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.4% पहुंची मार्च में रिटेल महंगाई बढ़कर

3.4% पहुंच गई है। इससे पहले फरवरी में यह 3.21% थी। महंगाई में जब बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग चल रही है। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोड्यूसर सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टेक्स के जरिए डबल्यूआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्ससाइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टेक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डबल्यूआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

# जिला पुलिस कंट्रोल रूम में अपराध समीक्षा बैठक का आयोजन अनूपपुर शिक्षा के क्षेत्र में बना प्रदेश का अग्रणी जिला



—मार्च माह की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई

—हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-देवास। मार्च माह में प्रदर्शन के आधार पर थानों की रैकिंग की गई जारी। मार्च माह में थाना विजयागंज मण्डी को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर किया गया पुरस्कृत, अनुभाग कन्नौद को मार्च माह में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर किया गया पुरस्कृत। मार्च माह में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर थाना प्रभारी विजयागंज मण्डी निरीक्षक आलोक सोनी को पुरस्कृत किया गया। प्रथम अनुभाग के रूप में मार्च माह में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कन्नौद देवास आदित्य तिवारी को पुरस्कृत किया गया। मार्च माह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सहायक उप निरीक्षक मनोज पटेल को दिया गया देवास पुलिस का सर्वश्रेष्ठ पुलिसकर्मी पुरस्कार। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा 15 अप्रैल 2026 को पुलिस कंट्रोल रूम में अपराध समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सौम्या जैन, परिवीक्षाधीन भा.पु.से. आलोक कुमार वर्मा, समस्त एसडीओपी, समस्त थाना/चौकी के प्रभारी एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय की शाखाओं के प्रभारी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक के द्वारा अपराध समीक्षा बैठक में निम्न बिंदुओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये - अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद द्वारा थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनकर उचित कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। थानों पर लगे QR CODE को ज्यादा से ज्यादा जनता द्वारा उपयोग बढ़ाने के निर्देश दिये गये ताकि फ्रीड्रैक प्रभावी रहे। चोरी की वारदातों को गंभीरतापूर्वक लेते हुये रात्री गश्त व्यवस्था एवं नाकाबंदी प्रभावी पुरखा करने के निर्देश दिये गये। FIR से लेकर विवेचना, चालान, प्रगती और ट्रायल के दौरान समस वारंट की तामिली एवं तकनीकी का सर्वाधिक उपयोग पर जोर दिया जाये ताकि फरियादियों को त्वरित न्याय प्रदान किया जा सके। जुआ, सट्टा, शराब एवं अवैध गतिविधियों पर जोरो टोलरनेस और पुलिस मुखबिरो को सशक्त बनाने क लिये किसी भी स्थिति में पुलिस का दुर्व्यवहार एवं अवैधानिक गतिविधियों को बर्दाश्त नही किये जाने के स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं। संपूर्ण जिला पुलिस की कार्य प्रणाली निष्ठापूर्ण, पारदर्शी, समयबद्ध और पॉइंट उन्मुखी बनाने हेतु निर्देशित किया गया है। प्रतिदिन पुलिस चौपाल के माध्यम से ऑपरेशन त्रिनेत्रम में अधिक से अधिक कैमरे लगवाने के लिये जनता को अभिप्रेरित किया एवं



ऑपरेशन सायबर के तहत डायल-1930 के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु निर्देशित किया गया है। आगामी तैयारों के दौरान आम जनता को अपराधिक तत्वों से बचाने हेतु ऑपरेशन पवित्र के तहत अधिक से अधिक बॉम्बडोवर काराने हेतु निर्देशित किया गया है। अपराध समीक्षा बैठक में समस्त थानों का 25 पैरामीटर के आधार पर मार्च माह में आंकलन किया गया। जिनकी रैकिंग जारी की गई जो कि इस प्रकार है:-

01. विजयागंज मण्डी, 02. कन्नौद, 03. नेमावर, 04. कमलापुर, 05. बागली, 06. हरणगांव, 07. कोतवाली, 08. सिविल लाईन, 09. बरोडा, 10. सतवास, 11. हाटपीपल्या, 12. खातेगांव, 13. औद्योगिक क्षेत्र, 14. भीरसांसा, 15. पीपलरावां, 16. टोंकखुर्द, 17. उदयनगर, 18. कांटाफोड़, 19. नाहर दरवाजा, 20. बैंक नोट प्रेस, 21. सोनकच्छ

05. अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सोनकच्छ। माह मार्च में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर थाना प्रभारी विजयागंज मण्डी आलोक सोनी को पुरस्कृत किया गया एवं समस्त स्टाफ को बधाई दी गई। मार्च माह में प्रथम अनुभाग के रूप में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कन्नौद श्री आदित्य तिवारी को पुरस्कृत किया गया एवं पुरे अनुभाग के पुलिस कर्मियों को बधाई दी गई। इसी प्रकार माह मार्च में सर्वश्रेष्ठ पुलिसकर्मी पुरस्कार के रूप में जिला विशेष शाखा में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक मनोज पटेल द्वारा सूचना संकलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया गया, जिसके परिणाम स्वरूप माह मार्च में मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय में सलन संगठित गिरोह का पर्दाफाश हुआ। एवं 02 दर्जन से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उक्त उत्कृष्ट कार्य हेतु सहायक उप निरीक्षक मनोज पटेल को माह मार्च 2026 के 'सर्वश्रेष्ठ पुलिसकर्मी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। रैकिंग की यह प्रणाली आगामी माह में भी जारी रहेगी। सभा के अंत में पुलिस अधीक्षक द्वारा अच्छा कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों की प्रशंसा की गई एवं कार्य को इसी प्रकार और अधिक गुणवत्ता के साथ एवं समयावधि में करने हेतु प्रेरित कर अपराध समीक्षा बैठक का समापन किया।

मध्यप्रदेश बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वीं में प्रदेश में प्रथम और 12वीं में द्वितीय स्थान पर रहा जिला

कलेक्टर हर्षल पंचोली की विशेष रणनीति और टीम अनूपपुर के प्रयासों से मिली अभूतपूर्व सफलता

प्रदेश की टॉप-10 मेरिट सूची में जिले के मेधावी विद्यार्थी खुशी साहू और धीरज पांडे ने बनाई जगह

जिले में कक्षा 10वीं में 93.85 प्रतिशत और 12वीं में 93.04 प्रतिशत रहा जिले का कुल परीक्षा परिणाम

(ब्यूरो राजेश शिवहरे) अनूपपुर। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित वर्ष 2026 के बोर्ड परीक्षा परिणामों में अनूपपुर जिले ने अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हुए पूरे प्रदेश में अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम लहराया है। जिले ने हाईस्कूल (10वीं) में प्रदेश में प्रथम और हायर सेकेंडरी (12वीं) में द्वितीय स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि जिले के इतिहास का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जा रहा है। रणनीति, संकल्प और टीम वर्क से मिली सफलता इस ऐतिहासिक सफलता के सूत्रधार कलेक्टर हर्षल पंचोली का दूरदर्शी नेतृत्व और सशक्त रणनीति रही। उनके मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग और जिला शिक्षा केंद्र ने 'टीम अनूपपुर' के रूप में समन्वित प्रयास किए। परीक्षा से पहले चलाए गए 'विशेष शैक्षणिक अभियान' के तहत शत-

प्रतिशत शैक्षणिक कैलेंडर का पालन, नियमित मॉडल टेस्ट, प्री-बोर्ड परीक्षाएं और सतत मूल्यांकन ने विद्यार्थियों को

शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अनूपपुर के छात्र धीरज पांडे ने 486 अंक प्राप्त कर राज्य की मेरिट



मजबूत आधार प्रदान किया। विशेष रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए चलाई गई रैमंडियल कक्षाओं ने उन्हें मुख्यधारा में लाकर सफलता दिलाने में अहम भूमिका निभाई। प्रावीण्य सूची के चमकते सितारे राज्य स्तरीय मेरिट सूची में स्थान बनाकर जिले के दो मेधावी विद्यार्थियों ने न केवल अपनी कड़ी मेहनत और लगन का शानदार परिचय दिया है, बल्कि पूरे जिले का गौरव भी बढ़ाया है। कक्षा 10वीं में शासकीय सांदिपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खुंटा टोला की प्रतिभाशाली छात्रा खुशी साहू ने 493 अंक अर्जित करते हुए प्रदेश में 7 वीं स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा 12वीं (गणित समूह) में

सूची में 7 वीं स्थान प्राप्त किया। इन छात्रों की सफलता ने न केवल जिले का नाम रोशन किया, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गए। सामूहिक प्रयासों का मीठा फल कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी। कलेक्टर ने कहा कि यह सफलता 'टीम अनूपपुर' के सामूहिक समर्पण, अनुशासन और अथक परिश्रम का परिणाम है। भविष्य के लिए नई प्रेरणा अनूपपुर की यह सफलता केवल एक

उपलब्धि नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उदाहरण है। यह दर्शाता है कि सही दिशा, मजबूत नेतृत्व और सामूहिक प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। अब यह उपलब्धि आने वाले वर्षों में जिले के विद्यार्थियों के लिए नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का स्रोत बनेगी, जिससे अनूपपुर शिक्षा के क्षेत्र में और ऊंचाइयों को छूने के लिए अग्रसर रहेगा।

कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रावीण्य सूची में बनाया स्थान जिले के अंतर्गत कक्षा 10वीं की प्रावीण्य सूची में कई विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्थान प्राप्त किया। इनमें कविता दुबे (महर्षि एंग्लो जर्मन स्कूल, परसवार, अनूपपुर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं गायत्री देवी (शासकीय सांदिपनि हायर सेकेंडरी स्कूल, खुंटाटोला, अनूपपुर) द्वितीय स्थान पर रही। इसके अतिरिक्त पौष्य जोगी (विवेक शिक्षा निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल, कोतमा), आयुषी वर्मा (शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल, जैतहरी), सुष्टि पांडेय (शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, अमलाई काली, अनूपपुर) एवं रिचा सिंह राठौर (न्यू स्टेटा हायर सेकेंडरी स्कूल, अनूपपुर) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं की प्रावीण्य सूची में भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शिप्रा शर्मा (शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल, कोतमा) ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं आकांक्षा उपाध्याय (शासकीय सांदिपनि कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, बदर) एवं सक्षम गुणा (ग्रीनलैंड पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, अनूपपुर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन सभी विद्यार्थियों की उपलब्धि ने अनूपपुर जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित किया है।

## अंबेडकर जयंती के अवसर पर सिविल अस्पताल कन्नौद में लगा रक्तदान शिविर



—हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-देवास/कन्नौद। सिविल अस्पताल में सेवा भारती कन्नौद के तत्वाधान में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। सिविल अस्पताल कन्नौद में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ विधायक पंडित आशीष शर्मा एवं जिला संघ चालक राजेश धूत, सेवा भारती जिला संयोजक बालू सिंह निगवाल के द्वारा भारत माता एवं बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में रोशन नगर के द्वारा 42वीं बार तथा रामविलास जी गुर्जर के द्वारा स्वयं के जन्मदिन पर

रक्तदान किया गया, कन्नौद निवासी अमिल नगर रोशन नगर तथा देवेंद्र नगर तीनों भाइयों के द्वारा एक साथ रक्तदान कर अन्य लोगों को रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। बीएमओ डॉ लोकेश मीणा के द्वारा बताया गया कि रक्तदान करना न केवल दूसरों की जान बचाने का एक नेक कार्य है बल्कि यह रक्तदाता के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत ही फायदेमंद है। आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है। शिविर में एकत्रित ब्लड देवास ब्लड बैंक ले जाया जाएगा, वहां इसकी जांचे होगी उसके बाद इसमें से कुछ यूनिट ब्लड कन्नौद विकासखंड की खून की कमी वाली गर्भवती माताओं को तथा



अन्य एनीमिक मरीजों को चढ़ाया जाएगा। रक्तदान शिविर में रक्त ले जाने के लिए जिला चिकित्सालय देवास ब्लड बैंक की टीम आई थी। आज आयोजित रक्तदान शिविर में 70 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ। रक्तदान शिविर में रक्त दान करने वालों में नगर पंचायत उपाध्यक्ष संदीप धूत, मंडल अध्यक्ष हुकूम पटेल, नानसा सरपंच रोहित तिवारी, प्रदीप धूत, प्रवीण धूत के साथ सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारियों में जेल से जेलर गिरजा शंकर दुबे, पुलिस थाने से टीआई तहजीब काजी एवं उनके साथ 5 पुलिस कर्मियों ने, सिविल अस्पताल कन्नौद से रलेश बैरागी, ब्रजेश व्यास एवं परसवार गदले, सेवा सहकारी संस्थाओं से

धर्मेंद्र चौहान आदि शामिल है। शिविर में भाजपा नेता रूपेश शर्मा, संतोष जाट, संदीप धूत, अनोखी चौहान, राजेश जोशी, केवल राम गुर्जर आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर बीईई दिनेश साहू, बीपीएम प्रदीप पवार, बीसीएम विनोद भंवर, नर्सिंग ऑफिसर वंदना मंडलोई, सेक्टर सुपरवाइजर शोभा कुकड़, लैब तिवारी, प्रदीप धूत, महेंद्र सिंह जादौन, यशवंत माली, उर्बान बांडोत, दिनेश शर्मा, राजपाल कर्मा, जगदीश मुवेल, सीएचओ अंकुर शर्मा, अर्चना उपाध्याय, अंजु प्रजापति, हरीश शर्मा, ज्योति खोड़े, अरुणा परमार, अनूपपुरा सांवले एवं सिविल अस्पताल कन्नौद का स्टाफ मौजूद रहा।

## अमरकंटक का कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन अमरकंटक का सीबीएसई 10वीं परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत, मेधावी छात्रों ने बढ़ाया मान

(ब्यूरो राजेश शिवहरे) अनूपपुर/अमरकंटक। स्थित कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय ने सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त कर गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस वर्ष विद्यालय के कुल 104 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें सभी विद्यार्थी सफल घोषित हुए। विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। प्रमुख रूप से मृगाल मिश्र, शुभ कुमार गुणा एवं सत्यम प्रसाद ने 95-95 प्रतिशत अंक अर्जित कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं शीर्ष प्रताप ने 94 प्रतिशत, अनन्या सिंह ने 93

प्रतिशत तथा अरुण जैन, पीहु अक्षत सिंह ने 90-90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। प्रमुख रूप से मृगाल मिश्र, शुभ कुमार गुणा एवं सत्यम प्रसाद ने 95-95 प्रतिशत अंक अर्जित कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं शीर्ष प्रताप ने 94 प्रतिशत, अनन्या सिंह ने 93 प्रतिशत तथा साक्षी परस्ते एवं

अक्षत सिंह ने 90-90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। प्रमुख रूप से मृगाल मिश्र, शुभ कुमार गुणा एवं सत्यम प्रसाद ने 95-95 प्रतिशत अंक अर्जित कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं शीर्ष प्रताप ने 94 प्रतिशत, अनन्या सिंह ने 93 प्रतिशत तथा साक्षी परस्ते एवं

छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन एवं गुरुओं के स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन का प्रतिफल है। विद्यालय के प्राचार्य कमलेश मिश्रा ने भी समस्त स्टाफ के साथ मिलकर विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय निरंतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर छात्रों को आए बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय परिवार में इस सफलता को लेकर हर्ष का वातावरण है तथा सभी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की है।

## विद्युत के अवैध उपयोग के विरुद्ध चलाया गया विशेष सघन जांच अभियान

—अभियान के दौरान 30 उपभोक्ताओं पर हुई कार्यवाही

अनूपपुर। अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालन अभियंता (संचा./संभा.) अनूपपुर के निर्देशानुसार जैतहरी वितरण केंद्र के अंतर्गत विद्युत के अवैध उपयोग के विरुद्ध विशेष सघन जांच अभियान चलाया गया। इस कार्यवाही का मुख्य उद्देश्य विद्युत चोरी को रोकना और राजस्व की क्षति को कम करना था। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की संयुक्त टीम ने जैतहरी के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 155 परिसरों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान 30 परिसरों में विद्युत उपयोग संबंधी अनियमितताएं पाई गईं। जिस पर संबंधित उपभोक्ताओं के विरुद्ध विद्युत अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक दण्डात्मक एवं वैधानिक कार्यवाही की गई। विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध विद्युत का उपयोग न केवल एक कानूनी अपराध है, बल्कि इससे पूरी विद्युत वितरण व्यवस्था पर अतिरिक्त भार पड़ता है, जिससे उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विभाग द्वारा कहा गया है कि इस प्रकार के सघन जांच अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे। सभी उपभोक्ताओं से अपील है कि वे नियमों का पालन करते हुए वैध विद्युत कनेक्शन लकर ही विद्युत का उपयोग करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं उपभोक्ता की होगी।

अन्य एनीमिक मरीजों को चढ़ाया जाएगा। रक्तदान शिविर में रक्त ले जाने के लिए जिला चिकित्सालय देवास ब्लड बैंक की टीम आई थी। आज आयोजित रक्तदान शिविर में 70 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ। रक्तदान शिविर में रक्त दान करने वालों में नगर पंचायत उपाध्यक्ष संदीप धूत, मंडल अध्यक्ष हुकूम पटेल, नानसा सरपंच रोहित तिवारी, प्रदीप धूत, प्रवीण धूत के साथ सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारियों में जेल से जेलर गिरजा शंकर दुबे, पुलिस थाने से टीआई तहजीब काजी एवं उनके साथ 5 पुलिस कर्मियों ने, सिविल अस्पताल कन्नौद से रलेश बैरागी, ब्रजेश व्यास एवं परसवार गदले, सेवा सहकारी संस्थाओं से



धर्मेंद्र चौहान आदि शामिल है। शिविर में भाजपा नेता रूपेश शर्मा, संतोष जाट, संदीप धूत, अनोखी चौहान, राजेश जोशी, केवल राम गुर्जर आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर बीईई दिनेश साहू, बीपीएम प्रदीप पवार, बीसीएम विनोद भंवर, नर्सिंग ऑफिसर वंदना मंडलोई, सेक्टर सुपरवाइजर शोभा कुकड़, लैब तिवारी, प्रदीप धूत, महेंद्र सिंह जादौन, यशवंत माली, उर्बान बांडोत, दिनेश शर्मा, राजपाल कर्मा, जगदीश मुवेल, सीएचओ अंकुर शर्मा, अर्चना उपाध्याय, अंजु प्रजापति, हरीश शर्मा, ज्योति खोड़े, अरुणा परमार, अनूपपुरा सांवले एवं सिविल अस्पताल कन्नौद का स्टाफ मौजूद रहा।

अन्य परिवार के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। नागरिक अपनी स्व-गणना पहचान संख्या (SE ID) ई-मेल के माध्यम से प्राप्त करने हेतु एक ई-मेल की प्रदान कर सकते हैं। स्टेप 3: भाषा चयन एवं ओटीपी सत्यापन अपनी पसंदीदा भाषा सावधानीपूर्वक चुनें। प्रक्रिया के बाद के चरणों में इसे बदला नहीं जा सकता। इसके बाद अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त एक-बार उपयोग होने वाला पासवर्ड (ओटीपी) दर्ज कर सत्यापन करें और आगे बढ़ें। स्टेप 4: निवास स्थान का विवरण प्रदान करना इस स्टेप में अपना जिला चुनें और अपना पिन कोड दर्ज करें। इसके पश्चात अपने गाँव/नगर, स्थानीय क्षेत्र तथा निकटवर्ती पड़ोस विह (लैंडमार्क) का नाम दर्ज करें। इसके बाद 'खोज' पर क्लिक करें।

## जनगणना-2027 के प्रथम चरण हेतु प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की दी जा रही जानकारी

अनूपपुर। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाना है। इस हेतु राष्ट्रीय जनगणना को सुचारु, नुतिरहित एवं तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से जिले में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चारवांर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर में संचालित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 11 से 20 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। तहसील पुष्पराजगढ़ एवं नगर परिषद अमरकंटक के प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित किया गया। नगरपालिका परिषद पसान, कोतमा, बिजुरी, नगर

परिषद बनगवां (राजनगर), कोतमा के शेष प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण 18 से 20 अप्रैल तक

जैतहरी एवं कोतमा के प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 15 से 17 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है। नगरपालिका परिषद अनूपपुर, नगर परिषद बरगवां (अमलाई), डोला के प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों तथा नगरपालिका परिषद पसान, कोतमा, बिजुरी, तहसील अनूपपुर, जैतहरी,

आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स तथा फील्ड ट्रेनर्स द्वारा प्रगणकों को मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल डेटा संकलन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) की प्रक्रिया को विस्तार से समझाते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिया जा रहा है।

रहा है। जिसमें प्रत्येक भवन को एक विशिष्ट क्रमांक (Unique Number) प्रदान करने, भवन के उपयोग (आवासीय/व्यावसायिक/अन्य) का सटीक विवरण दर्ज करने, प्रायोगिक अभ्यास के माध्यम से प्रश्न भरने और तकनीकी त्रुटियों के त्वरित सुधार की विधि समझने की जानकारी दी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण शुद्धता एवं सावधानी के साथ डेटा संकलन कार्य सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जिले में जनगणना कार्य को प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न करने की दिशा में ठोस तैयारियाँ सुनिश्चित की जा रही हैं।

## 16 अप्रैल से स्वगणना पोर्टल पर नागरिक स्वयं दर्ज कर सकेंगे अपनी जानकारी

अनूपपुर। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिये स्व-गणना पोर्टल (https://se.census.gov.in) पर 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक होगी। पोर्टल पर नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। क्या है स्वगणना: स्व-गणना जनगणना की एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत निवासी अपने परिवार संबंधी विवरण को स्वयं ऑनलाइन भरकर प्रस्तुत कर सकते हैं। यह प्रक्रिया पूर्ण करने में लगभग 15 से 20 मिनट का समय लग सकता है तथा सफलतापूर्वक प्रस्तुतिकरण के पश्चात एक विशिष्ट स्व-गणना पहचान संख्या (SE ID) मिलेगी। स्टेप 1: प्रवेश और प्रारंभिक लॉगिन

पोर्टल: पोर्टल तक पहुंचने के लिए https://se.census.gov.in पर जाएं। इसके बाद डॉप-डाउन सूची से अपना राज्य/संघ राज्य क्षेत्र चुनें तथा आगे बढ़ने के लिए कैप्चा दर्ज करें। डिजिटल मानचित्र पर अपने घर का स्थान चिह्नित करते समय बेहतर दृश्यता के लिए लैपटॉप या डेस्कटॉप का उपयोग करें। स्टेप 2: परिवार का पंजीकरण परिवार के मुखिया का नाम दर्ज करें। इस प्रक्रिया के पास एक टूलटिप उपलब्ध है, जो यह समझने में सहायता करेगा कि परिवार का मुखिया किसे माना जाए। एक बार पंजीकरण होने के बाद इस नाम को बदला नहीं जा सकता। परिवार के किसी भी सदस्य का मोबाइल नंबर दर्ज करें। प्रत्येक व्यक्ति के लिए केवल एक मोबाइल नंबर का उपयोग किया जाना चाहिए और वह नंबर किसी

अन्य परिवार के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। नागरिक अपनी स्व-गणना पहचान संख्या (SE ID) ई-मेल के माध्यम से प्राप्त करने हेतु एक ई-मेल की प्रदान कर सकते हैं। स्टेप 3: भाषा चयन एवं ओटीपी सत्यापन अपनी पसंदीदा भाषा सावधानीपूर्वक चुनें। प्रक्रिया के बाद के चरणों में इसे बदला नहीं जा सकता। इसके बाद अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त एक-बार उपयोग होने वाला पासवर्ड (ओटीपी) दर्ज कर सत्यापन करें और आगे बढ़ें। स्टेप 4: निवास स्थान का विवरण प्रदान करना इस स्टेप में अपना जिला चुनें और अपना पिन कोड दर्ज करें। इसके पश्चात अपने गाँव/नगर, स्थानीय क्षेत्र तथा निकटवर्ती पड़ोस विह (लैंडमार्क) का नाम दर्ज करें। इसके बाद 'खोज' पर क्लिक करें।

अन्य परिवार के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। नागरिक अपनी स्व-गणना पहचान संख्या (SE ID) ई-मेल के माध्यम से प्राप्त करने हेतु एक ई-मेल की प्रदान कर सकते हैं। स्टेप 3: भाषा चयन एवं ओटीपी सत्यापन अपनी पसंदीदा भाषा सावधानीपूर्वक चुनें। प्रक्रिया के बाद के चरणों में इसे बदला नहीं जा सकता। इसके बाद अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त एक-बार उपयोग होने वाला पासवर्ड (ओटीपी) दर्ज कर सत्यापन करें और आगे बढ़ें। स्टेप 4: निवास स्थान का विवरण प्रदान करना इस स्टेप में अपना जिला चुनें और अपना पिन कोड दर्ज करें। इसके पश्चात अपने गाँव/नगर, स्थानीय क्षेत्र तथा निकटवर्ती पड़ोस विह (लैंडमार्क) का नाम दर्ज करें। इसके बाद 'खोज' पर क्लिक करें।

स्टेप 5: मानचित्र पर अपने निवास स्थान का चिह्नानकन स्क्रीन पर एक लाल संकेतक (माइकर) के साथ मानचित्र प्रदर्शित होगा। इस संकेतक को खींचकर अपने निवास स्थान के सटीक स्थान पर रखें ताकि आवासीय भवन का सही स्थान चिह्नित किया जा सके। इसके बाद 'सहेजें और आगे बढ़ें' पर क्लिक करें। स्थान संबंधी जानकारी की पुष्टि हेतु एक संदेश प्रदर्शित होगा। यह प्रगणक द्वारा घर-घर भ्रमण के दौरान सत्यापन हेतु स्व-गणना डेटा को संबंधित मकान सूचीकरण ब्लॉक से आवंटित करने में सहायक होगा। स्टेप 6: प्रसनावली को पूर्ण करना मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित प्रसनावली को भरें। विशिष्ट प्रश्नों के लिए प्रश्नों के नीचे दिए गए नोट्स, 'टूलटिप्स' तथा 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' का उपयोग करें।

यह प्रसनावली वहीं है जिसका उपयोग प्रगणक द्वारा किया जाएगा। भवन संख्या, जनगणना मकान संख्या, जनगणना मकान का उपयोग तथा परिवार क्रमांक जैसी कुछ जानकारी प्रगणक द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान अलग से दर्ज की जाएगी। प्रणाली में अगले पृष्ठ पर जाने से पहले वर्तमान स्क्रीन को पूर्ण करना आवश्यक है, हार्नॉक आप किसी भी समय पिछली प्रविष्टियों में संशोधन करने के लिए वापस जा सकते हैं। स्टेप 7: दर्ज किए गए डेटा की समीक्षा पूर्ववलोकन स्क्रीन के माध्यम से सभी दर्ज की गई जानकारी को अनुभाग-वार जांचें। इस चरण पर डेटा में संशोधन किया जा सकता है। आप जानकारी को ड्राफ्ट के रूप में सेव रख सकते हैं और अंतिम तिथि से पहले इसे अंतिम रूप देकर पुष्टि करें और सबमिट कर सकते हैं।

यह प्रसनावली वहीं है जिसका उपयोग प्रगणक द्वारा किया जाएगा। भवन संख्या, जनगणना मकान संख्या, जनगणना मकान का उपयोग तथा परिवार क्रमांक जैसी कुछ जानकारी प्रगणक द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान अलग से दर्ज की जाएगी। प्रणाली में अगले पृष्ठ पर जाने से पहले वर्तमान स्क्रीन को पूर्ण करना आवश्यक है, हार्नॉक आप किसी भी समय पिछली प्रविष्टियों में संशोधन करने के लिए वापस जा सकते हैं। स्टेप 7: दर्ज किए गए डेटा की समीक्षा पूर्ववलोकन स्क्रीन के माध्यम से सभी दर्ज की गई जानकारी को अनुभाग-वार जांचें। इस चरण पर डेटा में संशोधन किया जा सकता है। आप जानकारी को ड्राफ्ट के रूप में सेव रख सकते हैं और अंतिम तिथि से पहले इसे अंतिम रूप देकर पुष्टि करें और सबमिट कर सकते हैं।



